दैनिक

CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665

अंक 02/126 | जयपुर | 25 मई /2025 | रविवार | मूल्य रु 5 | पृष्ठ: 04

संक्षिप्त खबरें

इंडिया टूडे प्रमुख अरुण पुरी के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही पर रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल प्रसारित एक समाचार कार्यक्रम से संबंधित मामले में इंडिया टुडे समूह के प्रमुख अरुण पुरी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने पुरी की ओर से पेश अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत की पीठ ने 19 मई के अपने आदेश में कहा, ''मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-पटना की अदालत में लंबित शिकायत वाद संख्या 2540(सी)/2024 की आगे की कार्यवाही अगले आदेश तक स्थगित रहेगी।''

बीएसएफ की कार्रवाई में घुसपैठिया मारा गया

अहमदाबाद। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुजरात में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने एक विज्ञप्ति में बताया कि बल के सतर्क जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को शुक्रवार रात बनासकांठा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके सीमा बाड़ की ओर बढ़ते देखा। ''उन्होंने घुसपैठिए से रुकने को कहा लेकिन इसके बावजूद वह आगे बढता रहा जिसके बाद जवानों ने गोलियां चला दीं। घुसपैठिए को मौके पर ही मार गिराया गया।''

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 'झारखंड जन मुक्ति परिषद' (जेजेएमपी) के शीर्ष नेता पप्पू लोहरा समेत दो नक्सली मारे गए। पप्पू पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि माओवादी समूह जेजेएमपी का प्रमुख लोहरा और उसका एक अन्य सहयोगी लातेहार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड पुलिस के नक्सल रोधी संयुक्त अभियान के दौरान मारे गए। पलामू के पुलिस उपमहानिरीक्षक वाई एस रमेश ने कहा, ''सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी मारे गए। पुलिस ने उनके शव बरामद कर लिए है।'' पुलिस ने बताया कि लोहरा और एक अन्य व्यक्ति का शव बरामद कर लिया गया है।

प्रीति जिंटा ने महिला संगठन को 1.10 करोड़ दान किए

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स की सह-मालिक और बॉलीवुड अदाकारा प्रीति जिंटा ने सेना महिला कल्याण संघ (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) को उसकी पहल 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत 1.10 करोड़ रुपए का दान दिया है। यह योगदान पंजाब किंग्स के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि के तहत दिया गया है। पंजाब किंग्स ने एक बयान में कहा, ''इस दान का उद्देश्य वीर नारियों को सशक्त बनाना और उनके बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना है।'' प्रीति जिंटा ने इस अवसर पर जयपुर में एक कार्यक्रम में कहा, ''हमारे सशस्त्र बलों के बहादुर परिवारों के लिए कुछ करना सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। हमारे सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों का कभी सही मायने में मूल्य चुकाया नहीं जा सकता है, लेकिन हम उनके परिवारों के साथ खड़े हो सकते है और उनकी आगे की यात्रा का समर्थन कर सकते है। हमें भारत की सशस्त्र सेनाओं पर बहुत गर्व है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उनके प्रयासों के लिए हम उनका अटूट समर्थन करते है। हम राष्ट्र और हमारी बहादुर सेनाओं के साथ एकजुट है।''

आपत्तिजनक पोस्ट डालने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में सोशल मीडिया पर देश विरोधी पोस्ट डालने के आरोप में शनिवार को दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सिंधु जल संधि को लेकर दुष्प्रचार कर रहा पाकिस्तान

■ संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, पड़ोसी देश ने तीन युद्ध और हजारों आतंकवादी हमले किए

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। भारत ने सिंधु जल संधि पर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दुष्प्रचार की धज्जियां उड़ाते हुए कहा है कि पाकिस्तान ने भारत पर तीन युद्ध और हजारों आतंकवादी हमले करके इस संधि की भावना का उल्लंघन किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, हम सिंधु जल संधि के संबंध में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल द्वारा फैलाई जा रही गलत सूचनाओं का जवाब देने के लिए बाध्य है। भारत ने नदी के ऊपरी तट पर स्थित देश होने के नाते हमेशा जिम्मेदाराना तरीके से काम किया है।

हरीश ने स्लोवेनिया के स्थाई मिशन द्वारा आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस बैठक का विषय 'सशस्त्र संघर्ष के बीच जल की सुरक्षा : आम नागरिकों के जीवन की सुरक्षा' था। हरीश ने पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार को उजागर करने के लिए चार पहलुओं पर प्रकाश डाला। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद भारत ने निर्णय लिया था कि 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा। इस आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में कहा कि भारत ने 65 साल पहले सद्भावना के साथ सिंधु जल संधि की थी।

उन्होंने कहा कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे 'सद्भावना और मैत्री की भावना से' किया गया। हरीश ने कहा कि इन साढ़े छह दशकों के दौरान, पाकिस्तान ने भारत पर तीन युद्ध और हजारों आतंकवादी हमले कर संधि की भावना का उल्लंघन किया है। भारतीय दूत ने रेखांकित किया कि पिछले चार दशकों में आतंकवादी हमलों में 20 हजार से अधिक भारतीयों की जान गई, जिनमें से सबसे हालिया हमला पहलगाम में पर्यटकों पर किया गया नृशंस आतंकवादी हमला था। हरीश ने कहा कि भारत ने इस पूरी अवधि में असाधारण धैर्य और उदारता दिखाई है, फिर भी पाकिस्तान द्वारा भारत में प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद का उद्देश्य आम नागरिकों के जीवन, धार्मिक सद्भाव और आर्थिक समृद्धि को नुकसान पहुंचा रहा है। हरीश ने बताया कि भारत ने पिछले दो साल में कई मौकों पर पाकिस्तान से संधि में संशोधनों पर चर्चा करने के लिए औपचारिक रूप से कहा लेकिन इस्लामाबाद इससे इनकार करता रहा है।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान का बाधा डालने वाला दृष्टिकोण भारत द्वारा वैध अधिकारों के पूर्ण उपयोग को रोकता है। इसके अलावा, पिछले 65 साल में न केवल सीमा पार आतंकवादी हमलों के माध्यम से बढ़ती सुरक्षा चुिताओं के संदर्भ में, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, जलवायु परिवर्तन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन की बढ़ती आवश्यकताओं के संदर्भ में भी दूरगामी मौलिक परिवर्तन हुए है। उन्होंने कहा, बांध के बुनियादी ढांचे के लिए प्रौद्योगिकी में बदलाव किया गया है ताकि पानी के उपयोग एवं संचालन की दक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कुछ पुराने बांध को लेकर सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं है। हरीश ने कहा कि पाकिस्तान इस बुनियादी ढांचे में संधि के तहत स्वीकार्य किसी भी बदलाव और प्रावधानों में किसी भी संशोधन को लगातार रोकता रहा है।

नागरिक कवर का इस्तेमाल कर बच नहीं सकते आतंकी

संयुक्त राष्ट्र (आईएएनएस)। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी यह दावा करके आतंकवाद विरोधी कार्रवाई से छूट का दावा नहीं कर सकते कि वे नागरिक हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया, हमें स्पष्ट कर देना चाहिए, नागरिकों की सुरक्षा का हवाला दे संयुक्त राष्ट्र की ओर से नामित आतंकवादियों को बचाने के तर्क के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए बार-बार नागरिक कवर का इस्तेमाल किया है। नागरिकों के लिए उभरते खतरों और उनकी सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद की बहस में बोलते हुए राजदूत हरीश ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नागरिकों को निशाना बनाया गया था। उन्होंने आतंकवादियों और पाकिस्तानी सरकार और सेना के बीच खुले गठजोड़ की ओर ध्यान आकर्षित किया। हरीश ने कहा, एक ऐसा देश जो आतंकवादियों और नागरिकों के बीच कोई अंतर नहीं करता, उसे नागरिकों की सुरक्षा के बारे में बोलना शोभा नहीं देता है।

नीति आयोग की 10वीं बैठक में पीएम ने दिया निवेश बढ़ाने व रोजगार सृजित करने पर जोर, बोले

नीतिगत बाधाएं दूर करें राज्य

■ कहा, विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तो भारत विकसित होगा

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम

नई दिल्ली (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से निवेश को प्रोत्साहित करने तथा रोजगार सृजन के लिए नीतिगत बाधाओं को दूर करने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार और राज्य मिलकर 'टीम इंडिया' की तरह काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। नीति आयोग की 10वीं शासी परिषद की बैठक के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि बैठक में मौजूद सभी लोगों ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के लिए भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग की 10 साल की यात्रा 'विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्र को तैयार करने' के लिए थी। इस बार शासी परिषद की बैठक का विषय '2047 में विकसित भारत के लिए विकसित राज्य' था। बैठक में कुल 36 में से 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उप-राज्यपाल शामिल हुए। जो राज्य इसमें शामिल नहीं हुए, उन्होंने पहले ही इस बारे में परिषद को सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि बैठक में शामिल नहीं होने वाले राज्य कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, बिहार और पुडुचेरी थे। परिषद की इस बैठक में सबसे ज्यादा राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल हुए। इससे पहले, नीति आयोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री के हवाले से कहा, ''हमें विकास की गति बढानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।'' मोदी ने कहा, ''विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तो भारत विकसित होगा। यह इसके 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।'' नीति आयोग के शीर्ष निकाय शासी परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष है।

मोदी ने कहा, ''हमारा लक्ष्य हर राज्य को विकसित, हर शहर को विकसित, हर नगर पालिका को विकसित और हर गांव को विकसित बनाना होना चाहिए। अगर हम इस दिशा में काम करेंगे तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।'' उन्होंने यह भी सुझाव दिया, ''राज्यों को अपने-अपने यहां सभी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन गंतव्य विकसित करना चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''एक राज्यः एक वैश्विक गंतव्य' का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इससे पर्यटन गंतव्य के रूप में आस-पास के शहरों के विकास का रास्ता साफ होगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है, ऐसे में हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। वृद्धि, नवोन्मेष और पर्यावरण अनुकूल पहल भारत के शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।'' मोदी ने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बैठक में शामिल न होने पर भाजपा व कांग्रेस ने की ममता की आलोचना

नई दिल्ली (एसएनबी)। नई दिल्ली में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शामिल नहीं होने पर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने उनकी आलोचना की। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद प्रधानमंत्री की राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ यह पहली बड़ी बैठक है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री ने बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया। इस बैठक में कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भाग ले रहे है। भट्टाचार्य ने कहा, ''मुख्यमंत्री के बैठक में शामिल न होने से राज्य के लोग वंचित रह गए, क्योंकि वहां पश्चिम बंगाल के मुद्दे नहीं उठाए जाएंगे।

भविष्य निधि पर 8.25 फीसद ब्याज को मंजूरी

नई दिल्ली (एसएनबी)। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दी है। इससे ईपीएफओ अपने सात करोड़ से अधिक अंशधारकों के भविष्य निधि पर वार्षिक ब्याज जमा कर सकेगा।

■ 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को मिलेगा लाभ

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 28 फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को बरकरार रखने का फैसला किया था। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में दिये गये ब्याज दर के बराबर है। स्वीकृत ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा गया था। ''वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर देने पर सहमति दे दी है और श्रम मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को ईपीएफओ को इस संबंध में सूचना दे दी है।'' अब वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत दर के अनुसार ब्याज ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक अंशधारकों के खातों में जमा किया जाएगा।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में 28 फरवरी को नयी दिल्ली में ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड की 237वीं बैठक में ब्याज दर पर निर्णय लिया गया था। ईपीएफओ ने फरवरी 2024 में 2023-24 के लिए ब्याज दर को मामूली बढाकर 8.25 प्रतिशत किया था जो 2022-23-में 8.15 प्रतिशत था। वहीं, मार्च 2022 में 2021-22 के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 प्रतिशत कर दिया गया था। यह 2020-21 में 8.5 प्रतिशत था।

धोखाधड़ी मामले में वांटेड अंगद चंडोक भारत लाया गया

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत में कथित धोखाधड़ी के मामले में वांछित अंगद सिह चंडोक को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा समन्वित एक अभियान के तहत अमेरिका से प्रत्यर्पित कर यहां लाया गया। अमेरिकी न्याय विभाग ने 2022 में चंडोक को दोषी ठहराए जाने के बाद एक बयान में कहा था कि एक अमेरिकी अदालत ने 2022 में चंडोक को प्रौद्योगिकी की मदद से किए गए एक अंतरराष्ट्रीय घोटाले में शामिल होने के लिए दोषी ठहराया। इसने कहा था इस घोटाले के जरिए अमेरिकियों से उनकी जीवन भर की बचत ठग ली गई। इनमें से अधिकतर पीड़ित बुजुर्ग थे।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि चंडोक को सीबीआई द्वारा समन्वित एक अभियान के तहत अमेरिका से प्रत्यर्पित कर यहां लाया गया। अमेरिकी न्याय विभाग के बयान में कहा गया, ''अमेरिकी अटॉर्नी जैकरी ए. कुन्हा ने घोषणा की अमेरिका में शरण मांगने वाले एक भारतीय नागरिक ने यह सुनिश्चित करने में भूमिका निभाई कि एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन योजना अमेरिकियों को धोखा देने में सफल रहे। इन पीड़ित अमेरिकियों में कई बुजुर्ग है। उनकी जीवन भर की बचत को हड़पने के दोषी को संघीय जेल में छह साल के कारावास की सजा सुनाई गई है।

देश में मिले कोविड के दो नए स्वरूप

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत में कोविड-19 के नये स्वरूप एनबी.1.8.1 का एक मामला और एलएफ.7 स्वरूप के चार मामले सामने आए है। यह जानकारी भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इंसाकॉग) के आंकड़े से मिली।

■ इंसाकॉग के अनुसार एनबी1.8.1 व एलएफ 7 के रूप में हुई पहचान

मई 2025 तक की स्थिति के अनुसार, डब्ल्यूएचओ एलएफ.7 और एनबी.1.8.1 उप स्वरूप को निगरानी में रखे जाने वाले स्वरूप के रूप में वर्गीकृत करता है, न कि चिंताजनक स्वरूप के रूप में। लेकिन ये वे स्वरूप है जिनकी वजह से चीन और एशिया के कुछ हिस्सों में कोविड के मामलों में कथित तौर पर वृद्धि हो रही है। इंसाकॉग के आंकड़े के अनुसार, अप्रैल में तमिलनाडु में एनबी.1.8.1 का एक मामला और मई में गुजरात में एलएफ.7 के चार मामले सामने आए। भारत में, सबसे आम स्वरूप जेएन.1 बना हुआ है। जांच किए गए नमूनों में इसके 53 प्रतिशत मामले शामिल है, इसके बाद बीए.2 (26%) और अन्य ओमिक्रॉन सबलाइनेज (20%) है। यद्यपि डब्ल्यूएचओ के प्रारंभिक जोखिम आकलन में एनबी.1.8.1 को वैश्विक स्तर पर कम सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम वाला माना गया है।

8 दिन पहले केरल पहुंचा मानसून, भारी बारिश

तिरुवनंतपुरम (भाषा)। केरल में शनिवार को मानसून के सामान्य से आठ दिन पहले पहुंचने के बीच भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण घरों और फसलों को नुकसान पहुंचा, बिजली आपूर्ति बाधित हुई और सड़कों पर जलभराव हो गया।

राज्य के विभिन्न भागों में उखड़े हुए पेड़ों और टूटी शाखाओं के कारण घरों और वाहनों को नुकसान पहुंचा तथा बिजली के खंभों के उखड़ जाने से कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई।राज्य में दिनभर भारी बारिश जारी रहने के कारण कई ग्रामीण और शहरी इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई। कुछ स्थानों पर बिना किसी चेतावनी के थोड़े समय में भारी बारिश हो सकती है, जिससे अचानक बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा हो सकती है। राज्य में 16 साल के अंतराल के बाद मानसून का आगमन समय से पहले हुआ है। आईएमडी के अनुसार पिछली बार ऐसा 23 मई 2009 को हुआ था।

आतंकवाद का दुष्ट हैंडलर है पाकिस्तान : अभिषेक बनर्जी

■ टीएमसी सांसद ने कहा, आतंकवाद को एक खतरनाक पागल कुत्ता माना जाए, तो पाकिस्तान उसका दुष्ट हैंडलर

टोक्यो (भाषा)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने जापान में शनिवार को आतंकवाद की तुलना एक खतरनाक पागल कुत्ते से करते हुए पाकिस्तान पर उसे प्रोत्साहन देने का आरोप लगाया और दुनिया से इससे निपटने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ रुख को उजागर करने और पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए जापान गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल बनर्जी ने कहा, ''हम यहां सच्चाई बताने आए है- भारत झुकना नहीं जानता। जनता दल(यूनाइटेड) सांसद संजय झा के नेतृत्व में जापान जाने वाला प्रतिनिधिमंडल उन सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक है, जिन्हें भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय संपर्क के लिए 33 देशों की राजधानियों का दौरा करने का काम सौंपा है। तोक्यो में एक जोशीले भाषण के दौरान उन्होंने कहा, ''हम डर के आगे नहीं झुकेंगे। हमने ऐसी भाषा में जवाब देना सीख लिया है जिसे वे अच्छे से समझते है। उन्होंने कहा, ''अगर आतंकवाद को एक खतरनाक पागल कुत्ता माना जाए, तो पाकिस्तान उसका दुष्ट हैंडलर है। हमें सबसे पहले इस दुष्ट हैंडलर से निपटने के लिए दुनिया को एकजुट करना होगा, अन्यथा यह और भी पागल कुत्तों को तैयार करता रहेगा।

उन्होंने कहा, ''हम सुनिश्चित करेंगे कि भारत जिम्मेदार बना रहे। हमारी सभी प्रतिक्रियाएं और कार्रवाई सटीक, नपी-तुली और तनाव को नहीं बढाने वाली रही है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ गया था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने सात मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर सटीक हमले किए, जिसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारतीय पक्ष ने पाकिस्तानी कार्रवाइयों का कड़ा जवाब दिया। दोनों पक्षों के सैन्य अभियानों के महानिदेशकों के बीच 10 मई को बातचीत के बाद सैन्य संघर्ष को रोकने के लिए बनी समझ के बाद शत्रुता समाप्त हो गई।

■ हम चुप नहीं बैठेंगे : शशि थरूर
■ एकजुट होने का समय : सुले

फार्म हाउस

लग्ज़री व ग्रीन लिविंग और निवेश का लाजवाब विकल्प है

पिछले कुछ वर्षों से देश के छोटे-बड़े महानगरों में लक्जरी एवं ग्रीन लिविंग का महत्व बढ़ रहा है। इसके चलते लोग शहरों से दूर खेतों में बने फार्म हाउस में रहने को तरजीह दे रहे हैं। विभिन्न राज्यों की सरकारों ने भी फार्म हाउस लिविंग को लेकर कानून बनाए हैं जिसके चलते अब लोग फार्म हाउस में निवेश को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। फार्म हाउस में निवेश जहां एक तरफ बढ़िया रिटर्न देता है वहीं लक्जरी और ग्रीन लिविंग का सुख भी देता है

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों के अलावा देश के अनेक बड़े शहरों में मौजूदा जिंदगी भाग दौड़ से भरी हुई है हर तरफ गाड़ियों का जमावड़ा और शोरगुल ही सुनाई पड़ता है ऐसे में अगर कोई कहे कि इन शहरों में भी प्रकृति की गोद में रहने का सुख प्राप्त किया जा सकता है तो मन-मस्तिष्क में पहला सवाल यही उठेगा कि आखिर यह कैसे संभव है? इसका जवाब है फार्म हाउस। फार्महाउस ऐसा विकल्प है जो आपको प्रकृति के करीब बसने का सुख देता है रिहाइश और निवेश के इस विकल्प में किन सावधानियां की जरूरत है और मौजूदा समय में फार्महाउस को किसके पर्याय के तौर पर देखा जाता है आईए जानते है।

शहरी भागदौड़ से दूर और प्रकृति की करीबी का सुख

दिल्ली-एनसीआर में फार्महाउस कल्चर एक ड्रीम लाइफस्टाइल बन चुका है। शहर की भीड़-भाड़ और प्रदूषण से दूर, हरियाली और सुकून भरा फार्महाउस अब सिर्फ एक स्टेटस सिंबल नहीं, बल्कि हेल्दी और लग्ज़री लिविंग की पहचान है। पारंपरिक रूप से फार्महाउस का मतलब था खेत के बीच बना घर, जहां किसान रहते थे। लेकिन आज, फार्महाउस ने स्पेशियस विला, प्राइवेट गार्डन, स्विमिंग पूल, ऑर्गेनिक किचन गार्डन, और आउटडोर पार्टी एरिया के तौर पर पहचान बना ली है। ये प्रॉपर्टीज अब वेडिंग्स, पार्टीज़, कॉर्पोरेट इवेंट्स और बुटीक रिसॉर्ट्स के तौर पर भी इस्तेमाल हो रही है।

फार्मलैंड और फार्महाउस के बीच फर्क और फायदे

फार्मलैंड पूरी तरह खेती के लिए होती है, जिसमें बड़ी कंस्ट्रक्शन अलाउड नहीं होती। वहीं फार्महाउस, फार्मलैंड पर बना रेसिडेंशियल स्ट्रक्चर है, जिसमें लग्ज़री सुविधाएं और मॉडर्न लाइफस्टाइल मिलती है। फार्महाउस के लिए सीएलयू यानी चेंज ऑफ़ लैंड यूज़ और बिल्डिंग प्लान अप्रूवल जरूरी है। आसान शब्दों में कहें तो,

फार्म हाउस में निवेशकों को बढ़िया रिटर्न

फार्म हाउस में निवेश करने वाले लोगों को बढ़िया रिटर्न की संभावना बनी रहती है। इसकी वजह यह होती है कि चूंकि यह निवेश शहर से दूर खेत खलिहानों में किया जाता है और जब सरकारें शहर का विस्तार करती हैं तो यह खेत खलिहान नगर निगम की सीमा में आ जाते हैं। जिससे इनकी वैल्यू और सर्किल रेट इत्यादि में तेजी से इजाफा होता है। इससे प्रापर्टी के दाम तेजी से बढ़ने लगते हैं।

फार्मलैंड = खेती, फार्महाउस = खेती + लग्ज़री लिविंग + लीगल रेसिडेंशियल कंस्ट्रक्शन। दिल्ली में फार्महाउस कल्चर की शुरुआत 1950 से 1960 के बीच हुई, जब साउथ दिल्ली के आस-पास की एग्रीकल्चरल लैंड पर रईस बिज़नेसमैन, पॉलिटिशियन और इंडस्ट्रियलिस्ट्स ने बड़े-बड़े फार्महाउस बनाए। धीरे-धीरे ये ट्रेंड गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद तक फैल गया।

गवर्नमेंट पॉलिसी और ग्रीन डेवलपमेंट का दौर

दिल्ली में फार्महाउस कंस्ट्रक्शन और ओनरशिप हमेशा से लीगल और रेगुलेटरी चैलेंज रहा है। डीडीए और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने समय-समय पर पॉलिसीज़ बनाई है। साल 2012 की रेगुलराइजेशन पॉलिसी के तहत कई अनऑथराइज्ड फार्महाउस को पेनल्टी और डेवलपमेंट चार्ज लेकर लीगल स्टेटस दिया गया। अब दिल्ली मास्टर प्लान 2041 के तहत ग्रीन डेवलपमेंट पॉलिसी लागू है, जिसमें 60% ग्रीन कवर, सस्टेनेबल कंस्ट्रक्शन, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, और कमर्शियल मिसयूज पर सख्त पाबंदी है। नई पॉलिसी के चलते अब फार्महाउस सिर्फलग्ज़री नहीं, बल्कि सस्टेनेबल और कम्युनिटी-ओरिएंटेड लिविंग का उदाहरण बनेंगे।

विलेजर्स और बायर्स- दोनों के लिए फायदे

फार्महाउस डेवलपमेंट से गांव वालों को जबरदस्त फायदे मिलते है जमीन की कीमत कई गुना बढ़ जाती है, जिससे उन्हें बेहतर जीवन, शिक्षा और हेल्थकेयर मिलती है। साथ ही, गार्डनिंग, हॉस्पिटैलिटी, सिक्योरिटी, और मेंटेनेंस जैसी नौकरियां भी मिलती है। लोकल बिज़नेस (दूध, सब्ज़ी, फूल, कैटरिंग आदि) को भी बूस्ट मिलता है। वहीं, बायर्स के लिए फार्महाउस एक हाई-रिटर्न इन्वेस्टमेंट है, जिसकी वैल्यू हर साल 10-15 फीसदी तक बढ़ रही है। टैक्स बेनिफिट्स, मल्टीपल यूज़ (वीकेंड होम, रिटायरमेंट, इवेंट्स, रेंटल इनकम), हेल्दी लाइफस्टाइल और पर्सनलाइज्ड लग्ज़री ये सब फार्महाउस को स्मार्ट इन्वेस्टमेंट बनाते है।

फार्महाउस खरीदने से पहले जरूरी चेकलिस्ट

अगर आप फार्महाउस खरीदने का सोच रहे है, तो लीगल ड्यू डिलिजेंस (लैंड टाइटल, सीएलयू अप्रूवल्स), लोकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्रीन नॉर्म्स और फ्यूचर डेवलपमेंट पर खास ध्यान दें। आने वाले समय में दिल्ली के फार्महाउस स्मार्ट ग्रीन लिविंग, एग्री-टूरिज्म, रेगुलेटेड डेवेलपमेंट और कम्युनिटी इंटीग्रेशन के नए ट्रेंड्स सेट करेंगे। टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और लग्ज़री का फ्यूजन दिल्ली के फार्महाउस कल्चर को नई ऊंचाई देगा।

इसके अलावा यह जरूर सुनिश्चित कर लें कि जिन खेत खलिहान में आप निवेश करने जा रहे हैं उसका असली मालिक कोई किसान है या सोसाइटी।

ग्राम समाज की जमीन की करें पड़ताल

खेत खलिहानों के बीच अक्सर ग्राम समाज की जमीनें भी आ जाती हैं। चूंकि किसान इन जमीनों पर भी खेती करने लगते हैं जिसको लेकर कोई रोक टोक नहीं होती है इसलिये जब वे जमीन बेचते हैं तो ऐसा दिखाने की कोशिश करते हैं कि सारी जमीन उन्हीं की है। अतः एग्रीकल्चर लैंड खरीदने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि जिस जमीन की कीमत आप अदा कर रहे हैं उसमें ग्राम समाज की जमीन तो नहीं शामिल है।

फार्महाउस अब सिर्फ इन्वेस्टमेंट नही

फार्म हाउस अब सिर्फ एक निवेश ही नहीं बल्कि एक लाइफस्टाइल स्टेटमेंट है जहां लग्ज़री, नेचर, हेल्थ और पीस एक साथ मिलते है। अगर आप भी फार्महाउस खरीदना चाहते है, तो लीगल कंप्लायंस, ग्रीन नॉर्म्स और फ्यूचर ट्रेंड्स का ध्यान जरूर रखें। स्मार्ट रिसर्च और सही गाइडेंस से ही आप इस ड्रीम को सेफ और प्रॉफिटेबल बना सकते है।

चकरोड का रखें ध्यान

ग्रामीणों व किसानों को खेतों तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो इसके लिए सरकार द्वारा खेतों के बीच से चकरोड की व्यवस्था की जाती है। कई बार चकरोड का इस्तेमाल न होने की वजह से किसान इस चकरोड को अपने खेतों में मिला लेते हैं और उसपर भी खेती करने लगते हैं। हालांकि उनकी नीयत उसपर कब्जे की नहीं होती लेकिन जब तक उनसे चकरोड खाली करने को नहीं कहा जाता वे उसपर खेती करते रहते हैं। ऐसे में अगर आप कोई खेत इत्यादि खरीद रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि आपके खेत के बीच से कोई चकरोड तो नहीं गुजर रही है।

खेतों पर लोन तो नहीं

अगर आप फार्म हाउस बनाने के लिए कोई खेत खरीद रहे हैं तो इस बात का ध्यान भी रखें कि किसान ने कहीं उस जमीन पर कोई लोन वगैरह तो नहीं ले रखा है। इसके लिए आपको किसी वकील की सेवाएं लेने पड़ेंगी जो आपको सारी जानकारी करके बता देगा कि जमीन पर लोन या किसी अन्य तरह का कोई विवाद नहीं है। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि फार्म हाउस बनाने के लिए आपको क्या-क्या सावधानियां बरतनी हैं। अगर आप यह सावधानियां बरतते हैं तो आपको आपके निवेश पर बढ़िया रिटर्न तो मिलेगा ही साथ ही प्रकृति की गोद में रहने का सुख भी मिलेगा। ■

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश के वक्त न करें गलतियां

बलवंत जैन

एक्सपर्ट- टैक्स एंड इन्वेस्टमेंट

पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों का रुझान सीधे शेयरों से हटकर इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश की ओर बढ़ रहा है। यह एक अच्छा रुझान है, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड मे निवेश करते समय और निवेश बनाए रखते समय कुछ गलतियों से बचना चाहिए। आइए इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशकों द्वारा की जाने वाली कुछ प्रमुख गलतियों और इनसे बचाव पर चर्चा करें ताकि निवेश का सफर आसान हो।

कम समय के लिए निवेश व निरंतर रिटर्न की उम्मीद

इक्विटी मे निवेश से अधिक रिटर्न मिल सकता है, लेकिन यह रिटर्न हर साल एकसमान नहीं होता, जैसा फिक्स्ड डिपॉजिट में होता है। इक्विटी निवेश में उतार-चढ़ाव बहुत होता है। अगर आपका निवेश का समय सात साल से कम है, तो पूंजी गंवाने का जोखिम भी रहता है। इसलिए, जब तक आपके निवेश की अवधि सात साल या उससे अधिक समय की न हो तब तक इक्विटी में निवेश न करें। लंबे समय में इक्विटी का सफर स्थिर हो जाता है, और उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है। इसलिये इक्विटी में निवेश के लिए लंबे समय के लिए अवश्य निवेश करें साथ ही हर साल बेहतरीन रिटर्न की उम्मीद न रखें।

वित्तीय लक्ष्यों के बिना निवेश

निवेश को अपने वित्तीय लक्ष्यों से जोड़ना जरूरी है। आपके लक्ष्य घर खरीदना, बच्चों की पढ़ाई, शादी, या रिटायरमेंट आदि हो सकते है। अगर कोई लक्ष्य नहीं है, तो निवेश केवल धन सृजन के लिए हो सकता है। लक्ष्य की अवधि और उसमें लचीलेपन के आधार पर निवेश का उत्पाद चुना जाना चाहिये। विदेश यात्रा या घर खरीदने का लक्ष्य आगे के लिये टाला जा सकता है, लेकिन बच्चों की पढ़ाई या शादी को आगे के लिये नही टाला जा सकता है। इसलिए, लक्ष्य के करीब आने पर उतार-चढ़ाव से बढने के लिये इक्विटी से सुरक्षित निवेश में धन स्थानांतरित करना जरूरी है।

डिविडेंड का विकल्प

म्यूचुअल फंड से मिलने वाला डिविडेंड आपके फंड के नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) से ही निकलता है, यानी यह आपके ही पैसे से दिया जाता है। डिविडेंड के बाद एनएवी उतना ही कम हो जाता है। इक्विटी म्यूचुअल फंड पर डिविडेंड पर कर आपकी स्लेब दर से लगता है, लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर कर 12.50% होता है। इसलिए, डिविडेंड की बजाय ग्रोथ विकल्प चुनें और जरूरत पड़ने पर सिस्टेमेटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) से पैसे निकालें।

निवेश की समीक्षा

निवेश की समय-समय पर समीक्षा करना जरूरी है। अपने लक्ष्यों के आधार पर निवेश के प्रदर्शन की जांच करें और जरूरत पड़ने पर दूसरी योजना में स्थानांतरित करें या निवेश बढ़ाएँ। लेकिन बहुत ज्यादा समीक्षा भी नुकसानदायक है। हर महीने प्रदर्शन देखकर फैसले न लें। आदर्श रूप से, हर साल एक बार समीक्षा करें।

विविधीकरण की कमी या अति-विविधीकरण

कुछ निवेशक एक समान कई योजनाओं में निवेश करते है, जिससे विविधीकरण का लाभ कम हो जाता है। मेरी राय मे आपके पोर्टफोलियो में 5 से ज्यादा इक्विटी स्किम नहीं होनी चाहिए। साथ ही, केवल एक या दो मे ही निवेश को टाला जाना चाहिये। अपने लक्ष्यों के आधार पर, निवेश को लार्ज कैप, मिड कैप, छोटे कैप, टैक्स सेविंग, और आक्रामक हाइब्रिड योजनाओं में बांटें।

अवास्तविक रिटर्न की उम्मीद

कई लोग इक्विटी योजनाओं से अवास्तविक रिटर्न की उम्मीद करते है, जो संभव नहीं है। लंबे समय में म्यूचुअल फंड से मुद्रास्फीति +6% रिटर्न मिलना अच्छा है, जो अन्य निवेशों से बेहतर है।

एनएवी के आधार पर निवेश

कई लोग इक्विटी योजनाओं को शेयरों की तरह समझते है और कम एनएवी वाली योजनाओं को चुनते है। लेकिन एनएवी का मूल्य योजना में मौजूद स्टॉक्स की कीमत को दर्शाता है। इसलिए, न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) का 10 रुपये का एनएवी देखकर निवेश न करें।

टाइमिंग करने की कोशिश न करें

बाजार में गिरावट के दौरान लोग घबराकर सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) रोक देते है। बाजार का टाइमिंग करने की कोशिश न करे । इक्विटी में लाभ के लिए बाजार में समय देना जरूरी है। गिरावट के समय एसआईपी रोकने की बजाय अगर पैसा हो तो और निवेश करें।

एक ही परिसंपत्ति वर्ग में अति निवेश

इक्विटी में निवेश करते समय असेट अलोकेशन और समय-समय पर पुनर्सतुलन करना न भूलें। अगर आप असेट अलोकेशन का पालन करते है, तो समय-समय पर पुनर्सतुलन से रिटर्न बढ़ सकता है। बिना असेट अलोकेशन व पुनर्सतुलन के एक बड़ी बाजार गिरावट से लाभ खत्म हो सकता है या नुकसान भी हो सकता है। ऊपर बताई गई गलतियों से बचकर निवेशक अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते है और आर्थिक स्थिरता के साथ मानसिक शांति पा सकते हैं।

फायर इंश्योरेंस से दें कारोबार को सुरक्षा

गर्मियों के मौसम में आंधियों और तेज हवाओं के कारण अक्सर आग लग जाती है जिसके चलते जान-माल का भारी नुकसान होता है। इन हालात से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए बीमा कंपनियों ने अग्नि बीमा अर्थात फायर इंश्योरेंस पालिसी लांच कर रखी हैं। कोई भी व्यक्ति इन पालिसी को खरीद कर आग से होने वाली क्षति की भरपाई प्राप्त कर सकता है

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

जब गर्मियों का मौसम शुरू हुआ आग लगने की कई बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। भीषण गर्मी के चलते हाल ही में एक बस का इंजन ज्यादा गर्म हो गया और उसमें आग लग गई जिससे कई लोगों की मृत्यु हो गई। इसके अलावा बस भी पूरी तरह जलकर खाक हो गई साथ ही कई यात्रियों का सामान भी पूरी तरह जल गया। इसमें बस मालिक ने किसी प्रकार की फायर इंश्योरेंस पालिसी नहीं ले रखी थी। इसी तरह हाल ही में प्लाईवुड की एक फैक्टरी, एक होटल और एक मैरिज लॉन में भी आग लगने की खबरें सामने आई हैं जिसमें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। कोई भी कारोबारी व्यक्ति अपने कारोबारी प्रतिष्ठान के लिए फायर इंश्योरेंस पालिसी को खरीदकर आग से होने वाले नुकसान की भरपाई ले सकता है।

फायर इंश्योरेंस पालिसी के प्रकार

फायर इंश्योरेंस पालिसी मुख्य रूप से तीन प्रकार की होती हैं। इनमें दो तरह की पालिसियां चल व अचल संपत्तियों भवन, वाहन, मशीनरी और स्टाक को कवर प्रदान करती हैं। जबकि तीसरी तरह की पालिसी में जान व माल दोनों का कवर प्रदान किया जाता है। अर्थात अगर किसी कारोबारी प्रतिष्ठान में हुए अग्निकांड में किसी व्यक्ति की मौत भी हो जाती है तो उसके आश्रितों का क्लेम भी इस तरह की पालिसी में बीमा कंपनियों द्वारा स्वीकार किया जाता है।

कितने का मिलता है कवर

बीमा कंपनियों द्वारा अग्नि बीमा पालिसी के तहत ग्राहक की जरूरत के अनुरूप विभिन्न पालिसयां डिजाइन की गई हैं। इनमें उद्यम सुरक्षा पालिसी के तहत पांच करोड़ रुपये का जोखिम कवर मिलता है। इस पालिसी में व्यवसायिक प्रतिष्ठान व उसमें रखे सामान इत्यादि का जोखिम कवर मिलता है। इसी तरह की एक पालिसी और है। उस पालिसी में अधिकतम 50 करोड़ रुपये का जोखिम कवर प्रदान किया जाता है।

अग्नि व आपदा की अलग पालिसी

बीमा कंपनियों ने एक ऐसी पालिसी भी पेश की है जिसमें आग के अलावा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान के कवर को भी शामिल किया गया है। इस पालिसी में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति को कवर प्रदान किया जाता है। आग या किसी अन्य प्राकृतिक आपदा से होने वाले जान माल के नुकसान का कवर इस पालिसी में शामिल होता है।

कुछ अन्य पालिसियां

बीमा कंपनियों ने इनके अलावा कुछ अन्य पालिसियां भी पेश की हैं। जिसमें फ्लोटर पालिसी के तहत किसी एक व्यक्ति की विभिन्न स्थानों पर रखी गई वस्तुओं को जोखिम कवर प्रदान किया जाता है। इसके अलावा कुछ पालिसियां ऐसी हैं जिसमें पहले से तय धनराशि का ही जोखिम कवर मिलता है। जबकि एक ऐसी पालिसी भी है जिसमें व्यापक कवर प्रदान किया जात है। इसमें माल के साथ-साथ जान का कवर भी कुछ कंपनियों द्वारा दिया जाता है।

मूल्यांकन पालिसी

बीमा कंपनियों ने एक ऐसी फायर इंश्योरेंस पालिसी पेश कर रखी है जिसमें आग से हुए नुकसान की भरपाई पूर्व में तय जोखिम कवर के आधार पर नहीं बल्कि संपत्ति के मौजूदा बाजार मूल्य के आधार पर प्रदान किया जाता है। ऐसी पालिसी उन वस्तुओं का कारोबार करने वालों के लिए बेहतर साबित हो सकती है जिन वस्तुओं की कीमतें रोज या साप्ताहिक रूप से घटती बढ़ती रहती हैं।

कारोबारी नुकसान का कवर

फायर इंश्योरेंस के तहत एक पालिसी ऐसी भी है जिसके तहत अगर आग लगने से कुछ महीनों तक कारोबारी प्रतिष्ठान में कामकाज बंद रहता है तो इस अवधि में कारोबार प्रतिष्ठान को होने वाले दैनिक नुकसान का कवर प्रदान किया जाता है। इसके अलावा भी कई अन्य तरह की फायर इंश्योरेंस पालिसियां भी बीमा कंपनियों ने बाजार में उतार रखी हैं।

बीमा कराने की लागत

फायर इंश्योरेंस पालिसी के तहत बीमा प्रीमियम अथवा बीमा की लागत किसी कारोबार प्रतिष्ठान में रखी वस्तुओं अथवा उन सभी वस्तुओं जिनको जोखिम कवर में शामिल कराया जा रहा है, उसकी मौजूदा बाजार कीमत के आधार पर तय की जाती है। फायर इंश्योरेंस पालिसियों में प्रीमियम की रकम आमतौर पर एकमुश्त अदा करनी होती है। बीमा कंपनी चाहे तो इसे दो अथवा तीन किस्तों में अदा करने की छूट दे सकती है।

क्लेम करते वक्त रखें ध्यान

फायर इंश्योरेंस पालिसी में ऐसे नुकसान के लिए क्लेम किया जा सकता है जो वास्तविक आग या विस्फोट के कारण लगने वाली आग के कारण हुआ हो। इन पालिसियों में नुकसान का प्राथमिक या तात्कालिक कारण आग ही होना चाहिए। आग की घटना आकस्मिक होनी चाहिए। अगर जांच में यह पता चलता है कि आग जानबूझकर लगाई गई है तो इसका कोई भी जोखिम कवर नहीं मिलेगा।

बानसूर में बाईक चोरों को पकड़ा, दुकान में घुसकर लाखों रूपये की चोरी की वारदात का खुलासा

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले एक आरोपी और बाईक चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सुरेन्द्र मलिक ने बताया कि 2 अगस्त को गिरुडी गांव में रात के समय एक दुकान का ताला तोड़कर उसमें रखे 90 कट्टे गेहूं,10 कट्टे सौंफ और इनवर्टर बैटरी चोरी होने का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने आज चोरी करने वाले आरोपी संजय बावरिया निवासी माजरा रावत को गिरफ्तार किया है। वही दूसरे बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने नीमराना पुलिस के सहयोग से बाईक चोरी करने वाले दीपक यादव निवासी दहमी बहरोड़ और अभिषेक यादव कल्याणपुर बहरोड़ को चोरी की बाईक सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस बाईक चोरी के आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

होलावास में लेपर्ड का आतंक, शौच करने गए व्यक्ति पर हमला, हाथ और पैरो को नोचा

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत होलावास के गांव उपला बासना में शनिवार की सुबह शौच करने जा रहे व्यक्ति पर लेपर्ड ने हमला कर दिया। लेपर्ड ने व्यक्ति को जगह जगह से घायल कर दिया। व्यक्ति ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। घटना आज सुबह करीब 7 बजे होलावास ग्राम पंचायत के उपला बासना की है। सरपंच सतपाल चौधरी ने बताया कि सुबह मुंशी मेघवाल अपने घर से शौच करने के लिए जा रहा था। इसी दौरान लेपर्ड ने हमला कर दिया। इस दौरान व्यक्ति के चीखने चिल्लाने पर आसपास के लोग दौड़े तो लेपर्ड भाग निकला। लेपर्ड ने व्यक्ति के हाथ और पैर पर हमला कर दिया। घायल को बानसूर उप जिला अस्पताल में ईलाज के लिए लाया गया और वन विभाग को सूचना दी गई। रामपुर वन विभाग नाका फोरेस्टर ओमप्रकाश यादव ने बताया कि शनिवार की सुबह सूचना मिली कि लेपर्ड ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है और घटना की जानकारी ली जा रही हैं। उन्होंने बताया कि लेपर्ड के पगमार्क लिए जा रहे है और विभाग की टीम लेपर्ड की मॉनिटरिंग में लगी हुई है।

बालोतरा जिले में गर्मी ने बरपाया कहर, तापमान 47 डिग्री के पार

मरुधर विशेष

हीराराम सेजू पचपदरा बालोतरा जिले में इन दिनों नौतपा से पहले ही भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बालोतरा जिला सहित आस-पास के गांवों में पारा 47 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर पहुंच गया है, बालोतरा जिला सहित आस पास के गांवों मे गर्म हवाओं की लू से भी जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों ने दिन में घर से निकलना बंद कर दिया है। भीषण गर्मी के चलते बाजारों में पसरा सन्नाटा वही बाजारों में सन्नाटा छाने पर ग्राहकों की आवाजाही हुई कम नजर आई। साथ ही भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडा पेय एवं शरबत, छाछ, निम्बु पानी पीकर गर्मी से राहत पा रहे हैं। । वही गर्मी से राहत पाने के लिए पैदल एवं दुपहिया वाहन पर चलने वाले लोग मुंह एवं सिर पर दुपट्टा पहनकर गर्मी से जतन करते हुए नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा भीषण गर्मी का अलर्ट जारी ।

कठूमर की छात्रा कुमकुम ने बोर्ड परीक्षा एग्रीकल्चर साइंस मे 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ब्लॉक का किया नाम रोशन

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कठूमर की छात्रा कुमकुम ने कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा एग्रीकल्चर साइंस मे 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कठूमर ब्लॉक का नाम रोशन किया हैद्य विद्यालय के प्रधानाचार्य विराज चौहान ने बताया कि कठूमर की छात्रा कुमकुम ने कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा विद्यालय का ब्लॉक स्तर पर नाम रोशन किया है तथा विद्यालय में सभी संकाओ का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। उन्होंने बताया कि एग्रीकल्चर में पढ़ने वाली बालिकाओं को राज्य सरकार द्वारा पंद्रह हजार रुपए प्रतिवर्ष प्रोत्साहन राशि दी जाती है द्य अच्छे परिणाम देने पर विद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

नोखा क्षेत्र में गर्मी का कहर जारी!

मरुधर विशेष

नौतपा खत्म होने से पहले गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं, कल से शुरू होगा नौतपा, एसी और कूलर भी होने लगे फेल, तपिश का और ज्यादा बढ़ने के आसार, एक सप्ताह तक पारा 46 डिग्री से नीचे आने की उम्मीद नहीं, बीती रात तापमान रहा 31.6 डिग्री सेल्सियस पर, इस वक्त पारा चल रहा 32 डिग्री सेल्सियस पर, हवा में नमी का लेवल पहुंचा 35 प्रतिशत पर, हवा की रफ्तार हुई 8 किमी प्रति घंटा

निजी शिक्षा जगत के भीष्म पितामह डॉ.एम.पी. खुराना की पांचवीं पुण्य तिथि पर सुंदरकांड पाठ और भंडारा का हुआ आयोजन

श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव सहित अनेक गणमान्य लोग हुए शामिल,डॉ.एम.पी. खुराना जी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

मरुधर विशेष

मोहम्मद शकील/विजय सिंह खैरथल । शहर में सिवाना रोड़ पर स्थित इन्द्रा हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक स्वर्गीय डॉ.एम.पी. खुराना कि पांचवीं पुण्यतिथि पर शनिवार को खुराना परिवार की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर पुण्यतिथि मनाई गई। डॉ. एम.पी. खुराना के पुत्र एवं संस्था निदेशक पंकज खुराना ने बताया कि इन्द्रा हैप्पी स्कूल प्रांगण में सुबह आठ से बारह बजे तक हनुमान जी महाराज का सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जिसमें पंडित पवन मिश्रा व उनकी टीम द्वारा हनुमान जी का गुणगान किया गया। श्रद्धांजलि सभा एवं सुंदर काण्ड पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव,भाजपा उत्तर जिला अध्यक्ष महा सिंह चौधरी, पवन यादव अध्यक्ष पूर्व राजस्थान यूनिवर्सिटी, खैरथल मण्डल अध्यक्ष मनीष शर्मा, एक्सिस स्कूल के डायरेक्टर एवं निजी स्कूल संस्थान संघ खैरथल अध्यक्ष सुनील यादव, एनडी गंगा स्कूल के डायरेक्टर कपिल शर्मा, इंजीनियर्स पॉइंट स्कूल के डायरेक्टर आजाद चौधरी, वरिष्ठ अध्यापक भगवानदास, स्काई वर्ल्ड स्कूल के डायरेक्टर अभिषेक गोयल, विश्वास (डब्बू)यादव , किसान नेता टिल्लू भाई शर्मा सहित निजी शिक्षण संस्थान के निदेशक,अध्यापक एवं पंजाबी समाज के अनेक गणमान्य लोगों द्वारा स्वर्गीय डॉक्टर एम.पी खुराना जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।कार्यक्रम में दिल्ली से आई खुराना जी की पुत्री आरती मल्होत्रा, दामाद जतिन मल्होत्रा और नातिन गार्वी खुराना ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। स्कूल की शिक्षिकाएं मोना, कविता, निशा, मंजू गुप्ता, पूजा सेन व दिव्या ने भी डॉ. खुराना को श्रद्धांजलि दी। हनुमान जी के सुंदर कांड पाठ के पश्चात् प्रसाद वितरण किया गया तथा इन्द्रा हैप्पी स्कूल के गेट पर ठंडी सरबत की प्याऊ लगाई गई व जरूरत मंद लोगों को भोजन खिलाया गया। पंकज खुराना ने बताया कि इन्द्रा हैप्पी स्कूल की स्थापना 1976 में उनके पिता शिक्षा जगत के भीष्म पितामह डॉ. एमपी खुराना साहब द्वारा की गई थी और इस विद्यालय ने अनेको डॉक्टर,आईपीएस,आईएएस देश की सेवा के लिए समर्पित किए हैं, हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी शाला का कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा हैं और विद्यालय की फाउंडर उनकी माता श्रीमती इंद्रा पाल खुराना जी 70 वर्ष से भी अधिक की उम्र में भी विद्यालय में सेवारत हैं।

डॉ. एमपी खुराना जी प्रेस क्लब, लायंस क्लब, स्काउट कमिश्नर, रेड

क्रॉस, पंजाबी समाज, नवोदय विद्यालय चयन समिति के सदस्य, निजी विद्यालय संघ जिला संरक्षक, सीएलजी सदस्य, जिला पुरुषार्थी समिति सदस्य आदि अनेक पदों पर रहे हैं। इसके अलावा अलवर जिले का ग्रामीण क्षेत्र में प्रथम निजी इन्द्रा हैप्पी विद्यालय खोलने का श्रेय भी डॉ. एमपी खुराना जी को जाता है। डॉ. एमपी खुराना के पुत्र पंकज खुराना इन्द्रा हैप्पी स्कूल के डायरेक्टर और पुत्रवधु श्रीमती डॉ.ज्योति खुराना स्कूल प्राचार्या है। उनकी पुत्री आरती मल्होत्रा दिल्ली में सीनियर टीचर हैं तथा दामाद जतिन मल्होत्रा बिजनेसमैन है। खुराना की पोत्री स्तुति खुराना वर्तमान में लखनऊ में सीनियर टीचर हैं और दामाद लखनऊ में सीए हैं इसके अलावा छोटी पौत्री गार्वी खुराना ने शिक्षा क्षेत्र में नाम कमाया है पौत्र वंश खुराना इन्द्रा हैप्पी स्कूल में अध्ययनरत है। इस दौरान स्कूल फाउंडर श्रीमती इंद्रा पाल खुराना, डॉ.ज्योति खुराना प्रिंसिपल,पंकज खुराना संस्था निदेशक, जगदीश खुराना, राकेश खुराना, अनिल खुराना,पंजाबी समाज के अध्यक्ष कपिल शर्मा एवं मुखी गोविंद राम सोनी एवं खुराना परिवार के सदस्य व स्कूल स्टाफ सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रामपुर में निकली विशाल तिरंगा रैली, सफल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना के शौर्य को सलाम किया

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।विधानसभा के रामपुर मंडल में आज विधायक देवीसिंह शेखावत के निर्देशानुसार सेना के सम्मान में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और भारतीय सेना के जज्बे को सलाम किया। इस दौरान तिरंगा यात्रा शनिवार की शाम 5 बजे रामपुर कस्बे के मुख्य बस स्टैण्ड से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गो से होती हुई कल्याण की महाराज के मंदिर तक पहुंची ।जहां यात्रा का समापन किया गया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष शशिकांत बोहरा ने बताया कि यह यात्रा भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान को घुटनों के बल गिरा दिया। हमारी सेना के शौर्य को सभी देशवासी सलाम करते है। जिसको लेकर आज रामपुर मंडल में भारतीय सैनिकों के लिए सफल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर यह तिरंगा यात्रा निकाली गई है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा बानसूर विधानसभा के प्रत्येक मंडल स्तर, गांव और ढाणियों में निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि 'तिरंगा यात्रा' में सम्मिलित होकर देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह यात्रा राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति जनआस्था तथा हमारे सशस्त्र बलों के प्रति अटूट सम्मान की जीवंत अभिव्यक्ति है। ऑपरेशन सिंदूर मात्र एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि यह भारत की नारीशक्ति के संकल्प और सिंदूर की रक्षा का साहसिक प्रतिशोध है। आज पूरा देश भारतीय सेना की वीरता, रणनीतिक दक्षता और आत्मबल को श्रद्धापूर्वक नमन कर रहा है। हमारे जवानों ने आतंकवाद के अड्डों को जिस संकल्प और सटीकता से ध्वस्त किया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि नया भारत न तो अब चुप रहता है और न ही सहन करता है, बल्कि निर्णायक और साहसिक प्रतिकार करता है। यह तिरंगा अब हर हृदय में और अधिक गर्व से लहराएगा। हर दिशा में वीरता की गाथाएं गूंजेंगी और देश का प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक सजग, समर्पित और प्रेरित होगा।इस दौरान रामपुर सरपंच मुकेश जिलोवा, सबलपुरा सरपंच विजेन्द्र यादव, कल्याणपुरा सरपंच हरफूल मीणा, रामानंद दीक्षित, भूपेन्द्र चौहान, ओमपाल चौहान, महेश सैनी,मंडल प्रतिनिधि कर्ण ओला, पीडी एडवोकेट, अमरनाथ मिश्रा सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

जनजाति मीना विकास समिति की बैठक धौलागढ़ में हुई संपन्न

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। जनजाति मीना विकास समिति खेड़ली कठूमर की बैठक मीना धर्मशाला धौलागढ़ में अध्यक्ष डॉ आर. पी. मीना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मिटिंग में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया। मंत्री धर्म सिंह मीणा ने बताया कि मीना धर्मशाला धौलागढ़ के निमार्ण हेतु आर्किटेक्ट से नक्शा बनवाया गया।, मीना धर्मशाला में स्थानीय सदस्यों की देखरेख एवं सहयोग राशि एकत्र करने की 21 सदस्यों की कमेटी गठित की गई।, मीणा धर्मशाला में 25.05.25 को आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के बारे में समाजसेवी उदल सिंह मीना के समाज बंदुओं को अवगत करा कर आशीवाद लिया।, समाज भी आगामी बैठक अध्यक्ष की आज्ञानुसार 15 जून को आयोजित करने का निणर्य लिया गया।, इस मौके पर डॉक्टर सुरेश चंद मीणा, प्रवक्ता जगदीश प्रसाद, कठूमर नगर पालिका चेयरमैन शेर सिंह जी मीणा संयोजक, नन्द किशोर मीणा, महावीर, प्रभूदयाल सरपंच, सौनाथ सिंह, सौदान सिंह, उमेश खेड़ा, सुखराम, उदल सिंह मीना, विजेन्द्र सिंह, रामसिंह मीना, खैरातीराम, अमर मीना, कैलाश मीणा, कल्लूराम, रतनलाल मास्टर, धनसीराम मीना सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बूंदी ज़िले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल संवाददाता

केशोरायपाटन में विशाल तिरंगा रैली निकाली

विधायक कल्पना देवी, पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल की तिरंगा रैली की शुरुआत

मरुधर विशेष

केशोरायपाटन सैनिक ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष मे पाटन में विशाल तिरंगा रैली निकाली केशोरायपाटन चामुंडा माता मंदिर से शुरुआत की कोटा विधायक कल्पना देवी, पाटन पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष हेमंत विजय, तिरंगा रैली की शुरुआत की तिरंगा रैली में देश भक्ति गानों व हाथों में तिरंगा लेकर केशोरायपाटन कस्बे में निकाल कर चामुंडा माता मंदिर परिसर में समाप्त हुई इस मौके पर पाटन ग्रामीण मंडल नरेंद्र मीणा, शहर मंडल अध्यक्ष विनोद नामा , पूर्व शहर मंडल अध्यक्ष गौरव मालिक, एससी मोर्चा ज़िला अध्यक्ष भारत वर्मा, प्रधान वीरेंद्र सिंह नगर पालिका पार्षद समाजसेवी सामाजिक संगठन, व जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि मौजूद रहे

विद्युत करंट से एफआरटी कर्मी की मौत का मामला, 22 घंटे तक चला प्रदर्शन आश्वासन पर हुआ समाप्त,

कई दौर की वार्ता के बाद बनी सहमति,

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना क्षेत्र के सिलारपुर में एफ आर टी विद्युतकर्मी कैलाश मेघवाल की करंट लगने से मौत के बाद उपजा विवाद आखिरकार प्रशासन की समझाइश के बाद शांत हो गया। करीब 22 घंटे चले विरोध प्रदर्शन के बाद शनिवार देर शाम ग्रामीणों व मृतक परिजनों ने शव लेने पर सहमति दी। कई दौरा की वार्ता विफल होने के बाद प्रशासन, परिजन और ग्रामीणों के बीच मांगों को लेकर सहमति बनी। प्रशासन की ओर से मृतक की पत्नी को नगर पालिका में संविदा पर गार्ड नौकरी देने, सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराने और लाइन चालू करने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार विद्युतकर्मियों पर जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद मामला शांत हुआ। बता दे कि 11 हजार केवी की लाइन में फाल्ट आने पर मरम्मत कार्य के दौरान विद्युत करंट लगने से एफआरटी कर्मी की मौत हो गई थी। परिजन और ग्रामीणों ने विद्युत निगम के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए धरना शुरू कर दिया था। उन्होंने आर्थिक सहायता व दोषी कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शव लेने से इंकार कर दिया था।घटना के बाद मौके पर पहुंचे प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने कई दौर की बातचीत के बाद आखिरकार ग्रामीणों को आश्वासन दिया और मामला शांत कराया। दिनभर चली वार्ता का दौरान नीमराना उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव, मुंडावर विधायक ललित , जिला पार्षद वेद प्रकाश खबरी, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता के एम शर्मा, नायब तहसीलदार रामनिवास गोठवाल, नीमराना सहायक अभियंता गजेंद्र यादव, जालावास सरपंच अजीत यादव , नीमराना थाना प्रभारी राजेश मीणा एवं शाहजहांपुर थाना प्रभारी मनोहर लाल ने भूमिका निभाई।प्रदर्शन के दौरान भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र मेहरा,नीमराना पूर्व सरपंच सतीश मुद्गल ,विष्णु सोनी ,सामाजिक कार्यकर्ता कर्मपाल सिंह चौहान , राजस्थान मेघवाल परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश चंद्र रेवाड़िया ,पूर्व सरपंच अशोक मुद्गल ,एडवोकेट रामनिवास सामरिया ,रविंद्र सामरिया, जितेंद्र सामरिया, जोगेंद्र ओला, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश खंडेलवाल, भवानी योगी, अजीत जोशी, हवलदार तेज सिंह, जयपाल थानेदार , वेद प्रकाश सैनी, संजय यादव संजय यादव दौलतसिंहपुरा सहित काफी संख्या में कस्बे के ग्रामीण मौजूद रहे।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में महिंद्रा सस्टेन द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित

मरुधर विशेष

बीकानेर। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में महिंद्रा ग्रुप की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी महिंद्रा सस्टेन द्वारा एक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। बिटीयू के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. सुधीर भारद्वाज, ब्रांच की प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. करणजीत कौर और विद्यार्थी प्लेसमेंट संयोजक आर्यन रोहिल्ला के संयोजन में आयोजित इस ड्राइव में कंपनी के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा कर सिविल इंजीनियरिंग के 2021-25 बैच के अंतिम वर्ष के छात्रों के साक्षात्कार लिए और जल्द ही चयनित विद्यार्थियों को ऑफर लैटर भी जारी किये जायेंगे। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो.अखिल रंजन गर्ग ने सिविल इंजीनियरिंग विभाग और ट्रैनिग प्लेसमेंट ऑफिस की सराहना करते हुए कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम और डिग्री के साथ उपलब्ध प्रशिक्षण व्यवस्था छात्रों को रोजगारोन्मुखी बना रही है। उन्होंने कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय रोजगार नियोजन की दिशा में मजबूती के साथ काम करते हुए ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थियों के सशक्तिकरण और उन्नति के लिए पुरजोर प्रयास कर रहा है।
डीन अकादमिक्स डॉ. यदुनाथ सिंह ने कहा की हमारा पाठ्यक्रम उद्योग की मांगों के अनुरूप नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि नामी कंपनियां हमारे छात्रों को जॉब ऑफर देने के लिए कैंपस आती हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. सुधीर भारद्वाज ने कहा हमारा प्रयास है कि हर छात्र को न केवल तकनीकी ज्ञान मिले, बल्कि वह रोजगार के लिए भी तैयार हो। महिंद्रा सस्टेन जैसे प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा छात्रों को रोजगार का अवसर मिलना कम समय विश्वविधालय द्वारा बनाई गयी औद्योगिक साख को दर्शाता है।सिविल इंजीनियरिंग विभाग की प्रमुख डॉ. प्रतिभा चौधरी ने कहा की यह इस प्रकार की गतिविधियाँ विभाग के छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं।

सांसद कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक हुई सम्पन्न

बैठक में जिला परिषद के वार्ड नंबर 29 के चुनाव को लेकर विस्तार से हुई चर्चा

मरुधर विशेष

खेरली (दिनेश लेखी)। कस्बा स्थित सांसद कार्यालय पर शनिवार को कांग्रेस पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक भरतपुर सांसद संजना जाटव के मुख्य अतिथ्य में एवं खेरली ब्लॉक अध्यक्ष हरिकिशन मैनेजर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

सांसद निजी सहायक भूपेन्द्र सिहं ने बताया कि 8 जून को होने वाले वार्ड नंबर 29 जिला परिषद सदस्य चुनाव के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं से राय ली गई, और सर्वसम्मति से उम्मीदवार तय कर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर विधानसभा प्रभारी, पीसीसी सदस्य, ब्लॉक अध्यक्ष, समस्त मण्डल अध्यक्ष, समस्त उपाध्यक्ष, समस्त महासचिव, समस्त महामंत्री, समस्त सचिव, समस्त सोशल मीडिया प्रभारी एवं समस्तवरिष्ठ कॉग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सज्जनगढ़ के सीबीईओ जयदीप पुरोहित को दी गई भावभीनी विदाई, जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय), माध्यमिक बांसवाड़ा के पद पर हुए पदस्थापित

एक प्रेरणास्रोत अधिकारी की विदाई पर शिक्षाजनों की आंखें हुईं नम

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा सज्जनगढ़ (बांसवाड़ा)। शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए पहचाने जाने वाले सज्जनगढ़ के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (CBEO) श्री जयदीप पुरोहित के जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय), माध्यमिक शिक्षा बांसवाड़ा के पद पर स्थानांतरण होने के अवसर पर ब्लॉक कार्यालय परिसर में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एसीबीइओ प्रथम रूपजी बारिया, मंचासीन अतिथि के रुपए मे एसीबीइओ द्वितीय प्रकाश पंड्या, पीईईओ कोदर सिंह सोलंकी, राकेश आमलियार, सरिता बारिया, बापूलाल खज्जा रहे। इस अवसर पर उपस्थित समस्त शिक्षाधिकारियों, कार्यालयीन स्टाफ, पंचायत शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालय प्रभारियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के

समक्ष वंदना से हुई। इसके पश्चात श्री पुरोहित का पारंपरिक अंदाज में पुष्पहार, शॉल, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। पूरा सभागार तालियों की गूंज और सम्मान गीतों से गूंज उठा।अपने कार्यकाल के दौरान श्री जयदीप पुरोहित ने न केवल प्रशासनिक दक्षता दिखाई, बल्कि विद्यालय स्तर पर नवाचार, शिक्षकों की कार्यदक्षता में वृद्धि, और शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी समावेशन को प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में ब्लॉक के विद्यालयों में समयबद्ध शैक्षणिक निरीक्षण, शाला दर्शन, अभिभावक संवाद, प्रेरणा अभियान जैसे अनेक कार्यक्रम प्रभावी रूप से संपन्न हुए।उन्होंने कार्यालय को एक 'सहयोगी परिवार' के रूप में विकसित किया, जहां हर कर्मचारी को महत्व मिला। कार्यालयीन स्टाफ ने बताया कि उन्होंने कभी 'अधिकारी' बनकर नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक और अभिभावक की तरह टीम का नेतृत्व किया।एसीबीईओ रूपजी बारिया ने कहा, जयदीप जी की प्रशासनिक दूरदर्शिता और टीम भावना के कारण सज्जनगढ़ ब्लॉक जिले के अन्य ब्लॉकों के लिए आदर्श बना है।पीईईओ कोदरलाल सोलंकी ने कहा, "वे स्वयं अनुशासित रहे और हम सभी को अनुशासन का महत्व सिखाया। उनके साथ कार्य करना गर्व का अनुभव रहा। प्रधानाचार्य सरिता बारिया, राकेश आमलियार, बापूलाल दांतला, शिक्षक संगठन प्रतिनिधि जसवंत सिंह मेरावत सहित अन्य वक्ताओं ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि श्री पुरोहित ने हर अधिकारी और कर्मचारी की समस्याओं को सुनकर यथासंभव समाधान किया और हर किसी को एक समान दृष्टि से देखा। जब पुरोहित मंच से अपनी बात रखने आए, तो स्वयं उनकी आंखें भी नम थीं। उन्होंने कहा: मैंने कभी किसी को अधीनस्थ नहीं माना, हम सभी सहकर्मी हैं, साथी हैं। सज्जनगढ़ ब्लॉक मेरे जीवन की स्मृतियों में हमेशा सबसे ऊँचा स्थान रखेगा। यहाँ के हर शिक्षक, अधिकारी और विद्यार्थी के साथ मेरा आत्मिक संबंध है। साथ ही ब्लॉक के जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं छात्रों ने जो सम्मान दिया वह आजीवन चीर यादों के रूप मे सहेज कर रखूंगा।समारोह के अंत में उन्हें एक विशेष हस्तनिर्मित स्मृति पट्टिका भेंट की गई, जिस पर उनके कार्यकाल की मुख्य उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण अंकित था। इसके अलावा ब्लॉक के प्रत्येक कार्यालयीन कर्मचारी और पीईईओ ने व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं पत्र भेंट किए।

जयदीप जी पुरोहित के कार्यकाल अवधि मे ब्लॉक मे

डिजिटल उपस्थिति मॉनिटरिंग प्रणाली की स्थापना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विशेष अभियान, नवाचार आधारित शिक्षण प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन, ब्लॉक स्तरीय शिक्षा मेले और विज्ञान प्रदर्शनी का सफल संचालन किया गया जो ब्लॉक को एक उत्कृष्ट ब्लॉक के रूप मे विकसित करने मे योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य मिलन जैन ने किया एवं आभार रूपजी बारिया ने माना। इस मौके पर कार्यालय के कार्मिक, ब्लॉक के पीईईओ, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक संगठन प्रतिनिधि जसवंत सिंह मेरावत उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई होलकर महिलाओ के लिए प्रेरणास्रोत विधायक डॉ कृष्ण कुमार

मरुधर विशेष सुनीता सैनी

बावल नगरपालिका परिसर मे अहिल्याबाई होलकर स्मृति अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय संगोष्टी का आयोजन किया गया जिसमे बीजेपी के विधायक सहित अनेक कार्यकर्ताओ नें भाग लिया स्थानीय विधायक डॉ कृष्ण कुमार नें उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा अहिल्याबाई नें सती प्रथा जैसी कुरुतियों के खिलाफ काम करके एक मिशाल क़ायम की पति के साथ सती होने की परम्परा क़ो समाजिक बुराई समझकर विरोध किया और नारी जाति के लिए मुक्ति के दुवार खोले उन्होंने समाज मे फैली कुरुतियों क़ो दूर करने के लिए संघर्ष किया और महिलाओ क़ो सशक्त बनाने पर जोर दिया उनके किये गए सामाजिक कार्यों क़ो कभी भुलाया नहीं जा सकता समाज की आधी आबादी क़ो अधिकार दिए बिना देश विकसित नहीं हो सकता रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि नारी अबला नहीं सबला बने अब महिलाये पुरुषो से किसी छेत्र मे पीछे नहीं है महिलाये आगे बढ़ेगी तभी देश आगे बढ़ेगा महिलाओ क़ो राजनीति मे अधिक से अधिक भागीदारी करनी चाहिए इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वंदना पोपली जतिन अरनेजा नपा उपप्रधान अर्जुन चौकन दीपक पार्षद गीता कुमारी ईश्वर सिंह वीरेंद्र छिलर दीनदयाल सैनी कई गावों के सरपंच सहित अनेक लोग मौजूद रहे

डीजे पर डांस कर हथियार लहराकर फायरिंग करने वाला अपराधी गिरफ्तार

फायरिंग में प्रयुक्त पिस्टल बरामद

मरुधर विशेष

कोटपूतली(सीताराम गुप्ता) निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने डीजे पर डांस कर हथियार लहराकर फायरिंग करने वाले अपराधी को गिरफ्तार कर फायरिंग में प्रयुक्त पिस्टल को बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यन्त ने जानकारी देते हुये बताया कि पुलिस मुख्यालय व उच्चाधिकारियों द्वारा हथियार के साथ पोस्ट डालने, रील बनाकर आमजन में भय व्याप्त करने वाले अपराधियों के खिलाफ चलाये गये अभियान के तहत एएसपी वैभव शर्मा के सुपरविजन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के निर्देशन में पनियाला थानाधिकारी मोहर सिंह के नेतृत्व में टीम का

गठन कर प्रकरण संख्या 162/2025 में वांछित मुल्जिम अशोक कुमार को जेल कोटपूतली से प्रोडक्शन वारण्ट प्राप्त कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर अनुसंधान किया गया। मुल्जिम के पास से डीजे पर डांस करते समय लहराने/फायरिंग करने में प्रयुक्त पिस्टल को भी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पनियाला में डीजे पर डांस करते समय आरोपी द्वारा हथियार (पिस्टल) लहराकर हवाई फायरिंग करने का एक विडियो वायरल होने पर आरोपी की पहचान कर थाना पनियाला पर 20 मई को प्रकरण सं. 162/2025 धारा 353 (1) (बी) बीएनएस व 25 (9), 5/25 आर्म्स एक्ट में पंजीबद्ध कर आरोपी अशोक कुमार (32) पुत्र अड़ीसाल गुर्जर निवासी पनियाला को गिरफ्तार किया गया।

कोटपूतली में संस्कार की पाठशाला ग्रीष्मकालीन शिविर बच्चों का हो रहा है सर्वांगीण विकास

ग्रीष्मकालीन कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर लगातार जारी

मरुधर विशेष

कोटपूतली। (सीताराम गुप्ता) राजस्थान राज्य भारत स्काउट और गाइड स्थानीय संघ कोटपूतली के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर में शनिवार को ध्वजारोहण कर शिविर निदेशक मनोरमा यादव ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि कोटपूतली में स्काउट गाइड के तत्वावधान में आयोजित किये जा रहे अभिरुचि शिविर से बालकों को न केवल सीखने का मौका मिल रहा है बल्कि सर्वांगीण विकास हो रहा हैं बालक इस अभीरुचि शिविर के माध्यम से अपने कौशल का विकास कर रहे हैं । स्थानीय संघ के प्रभारी एडीसी एवम सीबीईओ भागीरथ सिंह मीणा ने बताया कि शिविर में 150 बालक बालिकाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर

रहे हैं। अवकाश के समय का सदुपयोग करते हुए ये सभी बालक बालिकाएं अपनी अपनी अभिरुचियों को निखार रहे हैं। शिविर में इंग्लिश स्पोकन, पेंटिंग, हारमोनियम वादन, कम्प्यूटर, मेहंदी, सिलाई, ब्यूटीशियन, जूडो कराटे, योग,सतरंज आदि विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शिविर निदेशक मनोरमा यादव ने 25 मई से आने वाले नौतपा को देखते हुए बालकों को इससे बचाव के तरीके बताए वहीं शिविर स्टाफ को भी शिविर समय में दोपहर 10.30 बजे तक बालकों को छोड़ने हेतु निर्देश दिए। इस अवसर पर शिविर संचालक अतुल कुमार आर्य, जयसिंह , पप्पू यादव, दिग्विजय सिंह, देवराज कुमावत, संदीप जांगिड़ राजकुमार पालीवाल, सुरेंद्र सैनी, रजत सैनी , राहुल सैनी,पूनम जांगिड़ शबनम,फरीन, सहित दक्ष प्रशिक्षक उपस्थित रहे। मंच संचालन असिस्टेंट लीडर ट्रेनर स्काउट सीताराम गुप्ता ने किया।

श्योरानी में रात्रि चौपाल; जिला कलेक्टर ने सुनी 42 से अधिक परिवेदनाए, पेयजल, बिजली और सड़कों से जुड़े रहे प्रमुख मुद्दे

"मैं आईएएस बनना चाहती हूं, आपकी तरह" - श्योरानी की एकता ने जिला कलेक्टर से कही दिल की बात

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) नोहर ब्लॉक की श्योराणी ग्राम पंचायत में शुक्रवार को आयोजित रात्रि चौपाल में एक विशेष दृश्य देखने को मिला, जब 12वीं कला वर्ग में 93.20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा एकता ने जिला कलेक्टर श्री काना राम से कहा– "मैं आईएएस बनना चाहती हूं, आपकी तरह।" इस प्रेरणादायक पल ने न केवल उपस्थित जनसमूह को भावुक किया, बल्कि छात्राओं में आत्मविश्वास और बढ़ाया। दरअसल जिला कलेक्टर श्री काना राम शुक्रवार को रात्रि चौपाल के लिए श्योराणी पहुंचे थे। चौपाल में उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्योराणी के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर एकता, समेस्ता, पुष्पा, अंकिता, अखिल और पूजा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए थे।

जिला कलेक्टर ने होनहार छात्राओं के अभिभावकों को बच्चियों की पढ़ाई जारी रखने हेतु प्रेरित किया। रात्रि चौपाल के अवसर पर 'मानस नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

42 से अधिक परिवेदनाओं की सुनवाई, पेयजल, बिजली और सड़कों से जुड़े रहे प्रमुख मुद्दे

चौपाल में जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों से 42 से अधिक परिवेदनाएं प्राप्त की। विद्युत पोल सुधार, जल जीवन मिशन के तहत ढाणियों में पेयजल कनेक्शन, हड्डरोडी के लिए भूमि आवंटन, केटल शेड स्वीकृति, इंटरलॉक सड़क निर्माण, पीएम आवास योजना के तहत मकान निर्माण, तथा रातूसर में उपस्वास्थ्य केंद्र स्वीकृति जैसे मुख्य मुद्दे शामिल रहे। ललानिया पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि श्री सुभाष डूडी ने गांवों को जोड़ने हेतु ग्रेवल सड़कों की स्वीकृति का ज्ञापन सौंपा।

जिला कलेक्टर ने कहा कि इस ग्राम पंचायत में अभी तक चिट्टा व अन्य मेडिकेटेड नशा नहीं फैला है, परन्तु सतर्कता बरतना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बच्चों पर विशेष ध्यान दें और यदि कोई अवैध नशे की बिक्री का पता चले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। साथ ही, उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सीएचसी या पीएचसी में निःशुल्क जांच करवाने, और फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत पंजीकरण अनिवार्य रूप से करवाने की भी अपील की। इस मौके पर जिला कलेक्टर सहित नोहर एडीएम श्रीमती संजू पारीक, एसडीएम श्री पंकज गढ़वाल, पंचायत समिति प्रधान श्री सोहन ढील, एसीईओ श्री देशराज बिश्नोई, श्योराणी सरपंच श्री रमेश सहारण, ललानिया के सरपंच प्रतिनिधि श्री सुभाष डूडी, तहसीलदार श्री बजरंग लाल, बीडीओ सहित जिला स्तरीय अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहें।

विधायक खींची की माता जी की तीये की बैठक में हजारों लोगों ने की पुष्पांजलि अर्पित

मरुधर विशेष

खेरली (दिनेश लेखी)। कस्बे के गौरव पैलेस में कठूमर विधानसभा विधायक रमेश खींची की माताजी के स्वर्गवास होने पर शनिवार को शाम 5 बजे से 6 बजे तक तीए की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भरतपुर सांसद संजना जाटव ने पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मिलकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कर ढांढस बंधाया। साथ ही, उनकी माताजी की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस दौरान कठूमर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा मैं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विधायक खींची पुराने समय से ही गायत्री के उपासक तथा गायत्री परिवार के सहयोगी साधक रहे हैं। बैठक में गायत्री परिवार कठूमर व खेरली के परिजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को पंडित श्याम सुंदर शर्मा कुम्हेर, बहादुर सिंह सोलंकी महू, प्रेमसिंह और नेतराम प्रजापत बाबैन की टोली ने संबोधित किया। बैठक में पंडित श्याम सुंदर द्वारा पुनर्जन्म का रहस्य कर्मफल के आधीन विषय पर संगीतमय विवेचना की गई। इस दौरान गोपेश भारद्वाज ने शोकाकुल परिवार को मिले शोक संदेश पत्रो को पढ़कर सुनाया। बैठक में क्षेत्रीय जन समुदाय की हजारों की संख्या में लोगो ने पहुँच कर विधायक की माता जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

"खेलेंगे हम, जीतेंगे हम, पर नशे से दूर रहेंगे हम" आरजी स्टेडियम बना परंपरा और प्रेरणा का संगम, पारंपरिक खेलों से नशा मुक्ति का संदेश

मानस जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में 40 टीमों के 290 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, सरपंच बनाम पार्षद मैच बना आकर्षण का केंद्र

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) : जहाँ मोबाइल और वीडियो गेम्स ने गांव की चौपाल और गलियों के खेल छीन लिए हैं, वहीं शनिवार को जंक्शन स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में एक बार फिर "बचपन की खुशबू", "गांव की मिट्टी" और "खेलों का जुनून" लौट आया। मानस अभियान के सातवें संस्करण के तहत आयोजित जिला स्तरीय नशा मुक्त पारंपरिक खेल प्रतियोगिता में रस्साकशी, सितोलिया और रूमाल झपट्टा जैसे खेलों के जरिए सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक चेतना का अद्भुत संगम हुआ। 16-17 मई को ब्लॉक स्तर पर चयन के बाद शनिवार को आयोजित फाइनल मुकाबलों में पूरे जिले से आईं 40 टीमों के 290 महिला-पुरुष खिलाड़ियों ने जोश के साथ भाग लिया। रस्साकशी में जब एक ओर सरपंचों की टीम थी और दूसरी ओर पार्षदों की तो माहौल तालियों और उत्साह से भर उठा। इस रोमांचक मैच में सरपंच टीम विजेता रही, पर असली जीत सामूहिक सहभागिता और नशे के खिलाफ एकजुटता की हुई।

नशे से दूरी, खेल जरूरी - जिला कलेक्टर

जिला कलेक्टर श्री काना राम ने समापन के अवसर पर सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। जिला कलेक्टर ने कहा कि मानस अभियान को एक वर्ष पूर्ण होने को है। पिछले वर्ष स्वीकृत 62 खेल मैदानों में से 55 के कार्य पूर्ण हो चुके है। इस वर्ष 121 ग्राम पंचायतों में ओपन जीम और खेल मैदानों के संसाधनों का आंकलन किया गया है, आवश्यक कार्यों को स्वीकृत किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान के शुरुआत से ही टैगलाइन रही है - नशे से दूरी, खेल जरूरी। खेल प्रतियोगिताओं में 12 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। आज ये खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक आंदोलन हैं। जिला कलेक्टर ने कहा कि इस आयोजन का संदेश साफ है- नशे से तौबा और परंपरा से जुड़ाव ही सच्चा खेल है। जब गांव- शहर, खेल और जागरूकता एक साथ आते हैं, तो सिर्फ खिलाड़ी नहीं, पूरा समाज जीतता है। पारंपरिक खेलों के माध्यम से हम युवा पीढ़ी को जड़ों से जोड़ते हुए नशे से दूर रखने का संकल्प दोहरा रहे हैं। खेल, परंपरा और सामाजिक उद्देश्य का प्रभाव दूरगामी होता है।

खेल से संस्कार, संस्कार से बदलाव

जिला परिषद सीईओ श्री ओपी बिश्नोई ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि खेलों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। जब युवा खेल के मैदान से जुड़ते हैं, तो नशे से दूरी और जीवन में अनुशासन अपने आप आ जाता है। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री प्रमोद डेलू ने इसे "संस्कृति और चेतना का महाकुंभ" बताया। श्री डेलू ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से मुख्यमंत्री की मंशानुरूप राजस्थान के पारंपरिक खेलों के रोमांच के साथ-साथ नशा मुक्ति का सशक्त संदेश भी गूंजा है।

भामाशाहों की भागीदारी बनी प्रेरणा का स्रोत

मानस खेल गतिविधियों का संपूर्ण वित्तीय दायित्व भामाशाहों के कांधों पर रहा है। इसी जिम्मेदारी को इस महीने निर्वहन किया भामाशाह श्री हरबंश लाल गोयल ने। उन्होंने विजेता टीमों को 4100 रुपए और उपविजेता टीमों को 2100 रुपए का प्रोत्साहन, भोजन व्यवस्था सहित सभी व्यवस्थाओं का बीड़ा उठाया। सरस डेयरी की तरफ से छाछ और लस्सी ने गर्मी से राहत दिलाई और प्रतियोगिता में पारंपरिक स्वाद जोड़ा।

समापन पर तालियों की गूंज और परंपरा की पुनर्प्रतिष्ठा

समापन पर द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्री आर.डी. सिंह, जनप्रतिनिधि श्री प्रमोद डेलू, जिला परिषद सीईओ श्री ओपी बिश्नोई, नगर परिषद आयुक्त श्री सुरेंद्र यादव, सीडीईओ श्री पन्नालाल कड़ेला, जिला खेल अधिकारी श्री शमशेर सिंह, जनप्रतिनिधि श्री विकास गुप्ता, राज्य कर अधिकारी श्री नितिन चुघ और कई गणमान्य अतिथि, खिलाड़ी मौजूद रहे।

बानसूर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जाट छात्रावास में घुसकर मारपीट करने वाले तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर। थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जाट छात्रावास में रात्रि के समय घुसकर छात्रों से मारपीट करने और छात्रावास में तोड़फोड़ वाले तीन मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी सुरेन्द्र मलिक ने बताया कि 17 मई को पुलिस में विनोद चौधरी ने मामला दर्ज करवाया था कि 16 मई को विक्की राजपुतऔर उसके साथियों ने रात के समय छात्रावास हॉस्टल के आसपास तेज गति से बाईक चला रहे थे और हॉस्टल के पास ही शराब पार्टी कर रहे थे। जब इनको मना किया तो सभी युवक हॉस्टल के अंदर घुस गए और छात्रों के साथ मारपीट की और हॉस्टल के अंदर तोड़फोड़ कर फरार हो गए।

जिसको लेकर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।। जिनमें शिंभू सिंह निवासी मालियों की ढाणी बानसूर, दशरथ सिंह मालियों की ढाणी बानसूर और जितेन्द्र यादव निवासी डाबरिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

प्रीति जिंटा ने महिला संगठन को 1.10 करोड़ दान किए

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स की सह-मालिक और बॉलीवुड अदाकारा प्रीति जिंटा ने सेना महिला कल्याण संघ (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) को उसकी पहल 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत 1.10 करोड़ रुपए का दान दिया है। यह योगदान पंजाब किंग्स के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि के तहत दिया गया है। पंजाब किंग्स ने एक बयान में कहा, ''इस दान का उद्देश्य वीर नारियों को सशक्त बनाना और उनके बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना है।'' प्रीति जिंटा ने इस अवसर पर जयपुर में एक कार्यक्रम में कहा, ''हमारे सशस्त्र बलों के बहादुर परिवारों के लिए कुछ करना सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। हमारे सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों का कभी सही मायने में मूल्य चुकाया नहीं जा सकता है, लेकिन हम उनके परिवारों के साथ खड़े हो सकते है और उनकी आगे की यात्रा का समर्थन कर सकते है। हमें भारत की सशस्त्र सेनाओं पर बहुत गर्व है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उनके प्रयासों के लिए हम उनका अटूट समर्थन करते है। हम राष्ट्र और हमारी बहादुर सेनाओं के साथ एकजुट है।''

आपत्तिजनक पोस्ट डालने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में सोशल मीडिया पर देश विरोधी पोस्ट डालने के आरोप में शनिवार को दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। बिथरी चैनपुर थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अभिषेक कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'इंस्टाग्राम' पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' लिखने और जीभ काटने की धमकी देने के आरोप में इरफान शाह और वाजिद शाह नामक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। एसएचओ ने बताया कि पोस्ट सामने आने के बाद लोगों में रोष व्याप्त हो गया। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपियों ने जानबूझकर पोस्ट डाली थी, जिसके बाद बिथरी चैनपुर थाने में शनिवार को मामला दर्ज किया गया।

मणिपुर के कामजोंग में एक उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के कामजोंग जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन 'पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (पीआरईपीएके) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से एक पिस्तौल एवं गोला-बारूद बरामद किए गए है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उग्रवादी को बृहस्पतिवार को कासोम खुल्लेन पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारेत नदी के पास से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये उग्रवादी के पास से नौ एमएम की एक पिस्तौल और गोला-बारूद जब्त किया गया है। सुरक्षा बलों ने एक अन्य अभियान के दौरान शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले की पंगेई नेपाली बस्ती और उसके आसपास के इलाके से दो आग्नेयास्त्र, तीन हथगोले और गोला-बारूद बरामद किए।

ठाणे शहर में तीन दिन में कोविड के 10 मामले सामने आए

ठाणे (भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पिछले तीन दिन में कोविड-19 के 10 मामले सामने आए है जिसके बाद नगर निकाय ने अस्पतालों से सतर्क रहने को कहा है। संक्रमित मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए है और सभी का इलाज घर पर ही किया जा रहा है। निगम ने लोगों से घबराने के बजाय सतर्कता बरतने की अपील की है। निगमायुक्त आयुक्त सौरभ राव ने नागरिक स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों को कोविड-19 मरीजों की जांच एवं इलाज के लिए सतर्क एवं तैयार रहने का निर्देश दिया है।

शुक्रवार को स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चेतना नितिल ने जानकारी दी कि सभी मरीजों की हालत स्थिर है और वे अपने-अपने घरों में ठीक हो रहे है। ''सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं का पर्याप्त भंडार मौजूद है और कोविड-19 की जांच के लिए निरक्षण किट भी उपलब्ध है। संभावित मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने के लिए भी व्यवस्था की गई है। छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कालवा के अधीक्षक डॉ. अनिरुद्ध मालगांवकर ने बताया कि अस्पताल में कोविड-19 के मरीजों के लिए 19 बिस्तरों वाला विशेष वार्ड तैयार किया गया है।

राहुल ने पुंछ में की पाक गोलाबारी के पीड़ितों से मुलाकात

जम्मू (भाषा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के पीड़ितों से शनिवार को मुलाकात की। उन्होंने गोलाबारी से हुई क्षति को एक ''बड़ी त्रासदी'' बताया और पीड़ितों की व्यथा को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने का संकल्प लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने पुंछ का दौरा किया और प्रभावित लोगों से एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। इनमें सात मई से 10 मई के बीच हुई गोलाबारी में अपने सदस्यों को खोने वाले परिवार भी शामिल थे। राहुल गांधी ने कहा, ''यह एक बड़ी त्रासदी है। कई लोगों की जान चली गई।

उन्होंने (पाकिस्तानी सेना ने) आम नागरिकों के स्थानों पर हमला किया है। मैंने लोगों से बात की और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे उनके मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने को कहा है, जो मै करूंगा। उन्होंने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''पुंछ में पाकिस्तान की गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से आज मिला। टूटे मकान, बिखरा सामान, नम आंखें और हर कोने में अपनों को खोने की दर्द भरी दास्तान - ये देशभक्त परिवार हर बार जंग का सबसे बड़ा बोझ साहस और गरिमा के साथ उठाते है। उनके हौसले को सलाम है। गांधी ने कहा, ''पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा हूं - उनकी मांगें और मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर जरूर उठाऊंगा।'' उनके साथ पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव जी ए मीर भी थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता का पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए नृशंस आतंकवादी हमले के बाद से केंद्र शासित प्रदेश का यह दूसरा दौरा है। उस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। गांधी ने आतंकवादी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए 25 अप्रैल को श्रीनगर का दौरा किया था। उन्होंने उस दौरान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और कई अन्य लोगों से मुलाकात की थी। कांग्रेस के एक नेता ने शनिवार सुबह बताया कि गांधी शनिवार सुबह जम्मू हवाई अड्डा पहुंचे और सीमा पार से की गई गोलाबारी से प्रभावित इलाकों का दौरा करने तथा शोकसंतप्त परिवारों से मिलने के लिए हेलीकॉप्टर से पुंछ रवाना हुए।

> **विपक्ष के नेता ने पीड़ितों की व्यथा को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का संकल्प लिया**

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर छह मई की देर रात सटीक हमले किए थे। इसके बाद से पुंछ सेक्टर में गोलाबारी बढ गई थी। पाकिस्तान द्वारा सात से 10 मई के बीच जम्मू-कश्मीर में तोप से गोले दागे जाने और मिसाइल एवं ड्रोन हमले किए जाने के कारण 28 लोग मारे गए, जिनमें से 13 अकेले पुंछ जिले में मारे गए और 70 से अधिक घायल हो गए। नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों के पास के इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों ने अपने घर छोड़कर सरकारी राहत शिविरों में शरण ली। चार दिन तक सीमा पार ड्रोन और मिसाइल हमले जारी रहने के बाद 10 मई को सैन्य टकराव समाप्त करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सहमति बनी थी।

महिलाओं में बढ़ती थायराइड की समस्या : मां बनने की राह में बाधा बन रही यह "मौन बीमारी"

वर्ल्ड थायराइड डे आज समय पर इलाज करवाना बेहद जरूरी

मरुधर विशेष

जयपुर। महिलाओं में थायराइड की समस्या आज एक चिंताजनक स्तर तक पहुँच चुकी है। यह न केवल उनके दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि मातृत्व के सपनों को भी मुश्किल बना रही है। गर्भधारण से लेकर प्रसव तक, थायराइड ग्रंथि का असंतुलन मां और शिशु दोनों के लिए गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकता है।

जीवन रेखा हॉस्पिटल के सीनियर एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. पीपी पाटीदार ने बताया कि "थायराइड की बीमारी, विशेषकर हाइपोथायरायडिज़्म, प्रेग्नेंसी में गर्भपात, समय से पूर्व प्रसव, शिशु के मानसिक विकास में बाधा और उच्च रक्तचाप जैसी जटिलताओं का कारण बन सकती है। यदि मां का थायराइड असंतुलित हो, तो गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के विकास पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है।"

प्रेग्नेंसी की योजना बना रही महिलाओं को थायराइड की जांच करवाने की विशेष सलाह दी जाती है। डॉ. पाटीदार के अनुसार, "हर गर्भवती महिला को पहले तिमाही में अनिवार्य रूप से टीएसएच टेस्ट करवाना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान थायराइड की स्थिति बदलती रहती है, इसलिए समय-समय पर जांच कर इलाज को समायोजित करना आवश्यक होता है। थकान, वजन बढ़ना, अवसाद, अनियमित माहवारी या बांझपन जैसे लक्षणों को हल्के में न लें। यह शरीर का मौन संकेत है कि थायराइड असंतुलन हो सकता है।"

थायराइड विकार से ये हो सकती हैं समस्याएं -

हाइपोथायरॉयडिज्म (थायराइड की कमी) के कारण महिलाओं में बांझपन, गर्भपात, प्रीक्लेम्पसिया (गर्भकालीन उच्च रक्तचाप), एनीमिया, शिशु का कम वजन और विकास में रुकावट जैसी जटिलताएं देखी जाती हैं। वहीं हाइपरथायरॉयडिज्म (थायराइड अधिकता) से हाई ब्लड प्रेशर, समय से पहले प्रसव और शिशु में हृदय संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

राजस्थान में 16 प्रतिशत तक गर्भवती महिलाओं में थायरॉयड की समस्या -

राजस्थान में 15.97 प्रतिशत महिलाएं थायरॉयड विकार से ग्रसित पाई गईं। इनमें से 1.28 प्रतिशत को स्पष्ट हाइपोथायरॉयडिज्म, 4.79 प्रतिशत को सबक्लिनिकल हाइपोथायरॉयडिज्म, 4.47 प्रतिशत को पृथक हाइपोथायरोक्सिनेमिया, 1.92 को स्पष्ट हाइपरथायरॉयडिज्म और 3.51 प्रतिशत को सबक्लिनिकल हाइपरथायरॉयडिज्म था। वहीं देश में भी थायराइड विकार एक बड़ी चुनौती बन चुका है। देश में करीब 4.2 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार के थायराइड रोग से पीड़ित हैं। 10-11 प्रतिशत वयस्कों में हाइपोथायरॉयडिज्म की समस्या है। गर्भवती महिलाओं में 13 से 15 प्रतिशत को सबक्लिनिकल हाइपोथायरॉयडिज्म होता है, जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है। वहीं हाइपरथायरॉयडिज्म लगभग 2 प्रतिशत लोगों को प्रभावित करता है।

थायराइड पीड़ित गर्भवती महिलाओं के लिए सुझाव -

1. नियमित ब्लड टेस्ट करवाएं ताकि थायराइड स्तर की निगरानी हो सके।
2. दवाओं का सेवन डॉक्टर की सलाह से और नियमित रूप से करें।
3. संतुलित आहार लें, जिसमें आयोडीन भरपूर मात्रा में हो।
4. प्रेगनेंसी से पहले एंडोक्रिनोलॉजिस्ट से सलाह जरूर लें।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का समय : सुप्रिया सुले

नई दिल्ली (एसएनबी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि वह दुनियाभर के नेताओं को आतंकवाद व उसके समर्थकों से लड़ने के भारत के दृढ़ संकल्प से अवगत कराएंगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे पर राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं राजीव प्रताप रूडी, अनुराग ठाकुर व वी मुरलीधरन, कांग्रेस नेताओं मनीष तिवारी व आनंद शर्मा, तेलगु देशम पार्टी (तेदेपा) नेता लवू श्री कृष्ण देवरायलू, आम आदमी पार्टी (आप) के नेता विक्रमजीत सिह साहनी और पूर्व राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन के साथ कतर, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र जा रहे प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही है।

> **कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे पर राजनीति के लिए कोई जगह नहीं**

सुले ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह राजनीति का समय नहीं है बल्कि भारत के बारे में बात करने का समय है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला भारत की आत्मा पर हमला था जिस पर हमारी प्रतिक्रिया संतुलित थी, ताकि आतंकवाद के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं दिखाने का स्पष्ट संदेश दिया जा सके। सुले ने कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के प्रयासों पर कहा कि राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने पार्टी की ओर से स्पष्ट कर दिया है कि यह राजनीति करने या आलोचना करने का समय नहीं है। सुले ने कहा, ''हम सभी के पास सरकार से पूछने के लिए कुछ कठिन सवाल है, लेकिन यह समय सरकार के साथ एकजुट होने का है।

जस्टिस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस नागरत्ना बनेंगी कॉलेजियम का हिस्सा

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश बनने की कतार में शामिल न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना न्यायमूर्ति अभय एस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम की सदस्य होंगी।

न्यायमूर्ति नागरत्ना अभी शीर्ष अदालत की पांचवीं सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश है। वह 25 मई को आधिकारिक रूप से कॉलेजियम में शामिल हो जाएंगी और 29 अक्टूबर 2027 को भारत की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त होने तक इसका हिस्सा रहेंगी। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम में अब प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति नागरत्ना होंगे।

> **अभी शीर्ष अदालत की पांचवीं सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं न्यायमूर्ति नागरत्ना**

शीर्ष अदालत के सूत्रों के मुताबिक, प्रधान न्यायाधीश गवई उच्चतम न्यायालय में रिक्तियों को भरने और कई उच्च न्यायालयों में महत्वपूर्ण नियुक्तियां करने के लिए सोमवार को अपनी पहली कॉलेजियम बैठक बुला सकते है। न्यायमूर्ति ओका के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के खाली पदों की संख्या तीन हो जाएगी।

कॉलेजियम प्रणाली 1993 में सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद अस्तित्व में आई थी। इसके तहत, शीर्ष अदालत के पांच शीर्ष न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, तबादले और पदोन्नति की सिफारिश करते है। कॉलेजियम प्रणाली में सरकार कॉलेजियम की सिफारिशें लौटा सकती है। हालांकि, कॉलेजियम के दोबारा सिफारिश करने पर वह आमतौर पर इसे स्वीकार कर लेती है। लेकिन ऐसे मामले भी आए है, जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

लोकप्रिय फिल्म अभिनेता मुकुल देव का निधन

मुंबई (भाषा)। 'सन ऑफ सरदार', 'यमला पगला दीवाना' और 'जय हो' जैसी फिल्मों में अभिनय से लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता मुकुल देव (54) का निधन हो गया। उनके भाई और अभिनेता राहुल देव ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राहुल देव ने कहा, 'मेरे भाई मुकुल देव का कल रात नयी दिल्ली में खराब स्वास्थ्य के कारण निधन हो गया। मुकुल देव के करीबी मित्र और अभिनेता विदू दारा सिह के अनुसार अभिनेता ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। सिह ने कहा, ''वह पिछले आठ-दस दिन से अस्वस्थ थे। वह अपनी सेहत का ध्यान नहीं रख रहे थे और अपनी मां के निधन के बाद से अवसाद में थे। हम 'सन ऑफ सरदार 2' के फोटोशूट के लिए मुकुल का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन उसने हमारे फोन उठाना बंद कर दिया था। उनका अंतिम संस्कार शनिवार शाम पांच बजे निजामुद्दीन पश्चिम स्थित दयानंद मुक्ति धाम श्मशान घाट में किया गया।

पूर्व मॉडल मुकल देव के परिवार में उनकी

> **फिल्मी हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि**

पूर्व पत्नी शिल्पा देव से हुई बेटी सिया देव है। मुकुल देव ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1996 में आई फिल्म 'दस्तक' से की थी, जिसमें उनके साथ सुष्मिता सेन और शरद कपूर थे। उन्होंने हिंदी, पंजाबी, बांग्ला और तेलुगु फिल्मों में बड़े पैमाने पर सहायक भूमिकाएं निभाई। उनकी प्रमुख फिल्मों में अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार', सलमान खान की 'जय हो', धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल की 'यमला पगला दीवाना', 'कोहराम', 'आर... राजकुमार' और 'वार छोड़ ना यार' शामिल है। उन्होंने वर्ष 2017 में हंसल मेहता की समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म 'ओमेर्ता' के लिए सह-लेखक के रूप में काम किया था। मेहता ने मुकल देव के निधन पर सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर शोक जताया। मेहता ने 'इंस्टाग्राम' पर मुकुल की एक फोटो साझा करते हुए लिखा, ''यह ठीक नही किया मुकुल मेरे दोस्त अभी तो और भी कितनी कहानियां बाकी थी, और भी कितनी हंसी बाकी थी। अजय देवगन ने मुकुल देव को एक खुशमिजाज व्यक्ति के रूप में याद किया जो जल्द इस दुनिया को छोड़ गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अभी भी इसे समझने की कोशिश कर रहा हूं... मुकुल... आपके पास हर चीज को आसान बनाने का तरीका था, यहां तक कि सबसे मुश्किल दिनों में भी। ओम शांति।'

दक्षिण भारत के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने भी मुकुल के निधन पर शोक व्यक्त किया। एनटीआर की वर्ष 2010 की एक्शन फिल्म 'अधूर्स' में मुकुल देव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एनटीआर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मुकुल देव गारू के निधन से दुखी हूं। 'अधुर्स' फिल्म के दौरान बिताए समय और कला के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद कर रहा हूं। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति।'

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा कि मुकुल देव एक ऐसे कलाकार थे जिनकी 'गर्मजोशी और जुनून बेजोड़ था। उन्होंने इंस्टाग्राम के माध्यम से कहा, '' जो मै महसूस कर रहा हूं उसे व्यक्त करने के लिए शब्द नही है। बहुत जल्दी, कम उम्र में चले गये। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदानाएं। तुम्हारी बहुत याद आएगी मेरी जान...। ओम शांति। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया, 'बेहद दुखद। भावभीनी श्रद्धांजलि मुकुल जी।'अभिनेता सोनू सूद ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, ''मुकुल भाई को भावभीनी श्रद्धांजलि। आप हमेशा याद आएंगे।'' अभिनेता अरशद वारसी ने मुकुल देव के निधन पर शोक जताया और कहा, ''दिल टूट गया है।

दबी जुबान से

राहुल गांधी 'निशान-ए-पाकिस्तान'

भाजपा ने राहुल गांधी को 'निशान-ए-पाकिस्तान' का खिलाब दे दिया है। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के मौके पर शुरूआती समय सभी दलों ने सरकार और सेना का समर्थन किया, लेकिन विपक्षी दलों का धीरे-धीरे देशप्रेम का खुमार उतरने लगा और सरकार और सेना से सवाल किये जाने लगे। विपक्ष के नेता राहुल गांध ने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री पर भी सवाल उठाये हैं। राहुल गांधी के बार-बार बयान देने के बाद भाजपा ने उन्हें पाकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान 'निशान-ए-पाकिस्तान' का खिताब दे दिया है। भाजपा ने कहा कि राहुल का पाकिस्तान का प्रेम उछाल मार रहा है।

अब सेना नहीं विपक्ष चला रहा आपरेशन सिंदूर

पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना की ओर से शुरु किया गया आपरेशन सिंदूर फिलहाल भले ही स्थगित हो गया हो लेकिन आपरेशन सिंदूर स्थगित होने के बाद भी लगातार चल रहा है, ये और बात है कि अब आपरेशन सिंदूर सेना नहीं बल्कि विपक्ष चला रहा है। एक तरफ सत्ता पक्ष राष्ट्रव्यापी तिरंगा यात्राएं निकालकर आपरेशन सिंदूर का जश्न मना रहा है तो दूसरी तरफ समूचा विपक्ष जिस तरह रोजाना सरकार पर नये नये सवाल खड़े कर रहा है उससे खबरों में लगातार आपरेशन सिंदूर ही चल रहा है। विपक्ष भी क्या करे, विपक्ष को डर है कि आपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय सरकार को ना मिल जाये, ऐसे में कुछ ना कुछ तो करना ही है, अब विपक्ष को कौन समझाये कि जितना वह सरकार पर सवाल उठायेगा उतना ही आपरेशन सिंदूर खबरों में चलता रहेगा जिसका फायदा तो सरकार को मिलेगा ही।

डिफेंट करें हम, विदेश घूमें और नेता

भाजपा के प्रवक्ता आजकल दुखी हैं। इसकी वजह है कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना का बचाव और विपक्ष के आरोपों पर सफायी भाजपा प्रवक्ता देते रहे, लेकिन जब सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में सदस्य नियुक्त किये तो उनमें सांसद डा. सुधांशु त्रिवेदी और अनिल बलूनी को शामिल नहीं किया गया। बाकी दलों ने नेता शामिल हैं। प्रवक्तागण कह रहे हैं कि डिफेंड हम करें और विदेश घूमने बाकी लोग जाएं। सरकार ने सातों प्रतिनिधिमंडलों में कम से कम एक मुसलमान नेता को भी शामिल किया है। ताकि भारत की छवि एक धर्मनिरपेक्ष देश की बनी रहे और मुसलमान नेता ही पाकिस्तान को एक्सपोज करें।

राहुल का गुरु मंत्र, भाजपा को एक्सपोज करें

टीवी पर कांग्रेस पार्टी का पक्ष रखने के लिए लोकसभा में नेता विपक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज देशभर से बुलाए गए प्रवक्ताओं को गुरु मंत्र दिए उन्होंने साफ कहा कि जिस तरीके से मीडिया सत्ता पक्ष के प्रवक्ताओं की तरह काम करता है और भाजपा के प्रवक्ता जिस तरह से इस तरह और अमर यदि बातें करके झूठा नेगेटिव फैलाते है उनके खिलाफ आपको अपनी आवाज दमदार तरीके से बुलंद करनी है और ऐसा तभी कर सकते है जब आप पूरे तथ्यों और सबूत के साथ बहस में हिस्सा ले राहुल गांधी ने प्रवक्ताओं से कहा कि भाजपा के झूठे नेगेटिव को एक्सपोज करने के लिए जरूरी है कि आप पूरे सबूत और तथ्यों के साथ अपनी चीजों को रखें और अपने स्तर व पार्टी की मर्यादा को बनाए रखें।

छह महीने बाद उठेगा रहस्य से पर्दा

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस अभय ओका की दोस्ती काफी पुरानी और गहरी है। दोनों का जन्म 1960 में हुआ। दोनों ने तकरीबन एकसाथ मुंबई में वकालत शुरू की। 2003 में दोनों बंबई हाई कोर्ट के जज बने। जस्टिस ओका अगस्त में जबकि जस्टिस गवई नवंबर में। 2019 में जस्टिस ओका कर्नाटक हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त हो गए और लगभग सवा दो साल तक इस पद पर रहे। जस्टिस गवई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस नहीं बन पाए लेकिन मई 2019 में सीधे सुप्रीम कोर्ट पदोन्नति पाने में सफल हो गए और इस कारण सीजेआई के पद तक पहुंच गए। विदाई समारोह के दौरान जस्टिस ओका ने कहा कि एक बहुत गोपनीय बात है लेकिन मैं उसे अभी सार्वजनिक करना नहीं चाहता। जस्टिस गवई ने वादा किया है कि वह अपनी सेवानिवृत्ति के दिन 23 नवंबर को ही सीक्रेट का खुलासा करेंगे। लोगों को इसके लिए छह माह इंतजार करना होगा।

वीरभूमि नहीं पहुंचने वाले की बनी सूची !

कांग्रेस में इस बात की चर्चा हो रही है कि बुधवार को दिल्ली में वीरभूमि पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति कम क्यों रही। वीरभूमि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी का समाधि स्थल है। बुधवार को वहां उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि का कार्यक्रम रखा गया था। अब सरकार की बजाय पार्टी ही समाधि स्थल पर कार्यक्रम आयोजित करती है। हर बार की तरह कांग्रेस ने वीरभूमि पर सुबह श्रद्धांजलि का कार्यक्रम रखा था। कार्यकर्ताओं के लिए कोटला रोड़ स्थित नए मुख्यालय भवन से कार्ड भी बांटे गए थे। बावजूद इसके न वहां अधिक संख्या में वरिष्ठ नेता उपस्थित थे और न कार्यकर्ता। न सारे महासचिव और पदाधिकारी उपस्थित थे और न कांग्रेस कार्यसमिति के सभी सदस्य। पार्टी ने बड़ी संख्या में सचिव बना रखे हैं लेकिन वह भी अपने नेता को श्रद्धांजलि देने नहीं पहुंचे। अब गैर हाजिर रहने वाले नेताओं की सूची बनाई जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्किार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने सबसे पहले वीरभूमि पहुंचकर स्व. राजीव गांधी को याद किया था। गैर हाजिर नेताओं की सूची राहुल गांधी का ऑफिस बना रहा है।

मोहन यादव की मुश्किल बढ़ाते उनके अपने

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।अभी उनके मंत्रियों विजय शाह और जगदीश देवड़ा के पैदा किए विवादों से पीछा छूटा नहीं था कि भाजपा के एक और नेता के चरित्र से जुड़ा मामला वायरल हो गया। लगातार गंभीर मामले सामने आने की वजह से मुख्यमंत्री मोहन यादव भी लाचार नजर आने लगे।अखबारों के पहले पेज पर मुख्यमंत्री की बजाय विवादित नेताओं की फोटो अभी तक छप रहे हैं। कांग्रेस ने भाजपा के विवादित नेताओं पर मीडिया में आई खबरों का संकलन किया है, जिसे जल्द ही एक पुस्तिका के रूप में लाया जाएगा।

महामारी की दस्तक..टेंशन में फ्रंट

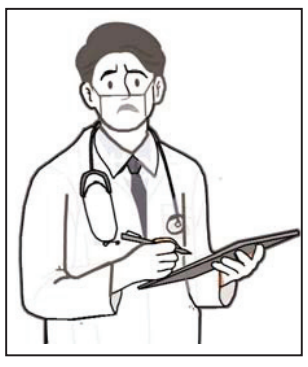

वैश्विक महामारी कोविड-19 के यू टर्न लेने की संभावनाओं के मध्य फ्रंट लाइन वर्कर्स का दबाव अपनी सुरक्षा को लेकर बढ़ रहा है। बढ़ते दबाव को कम करने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य एजेंसियों की शीर्षस्थ अधिकारियों का एक शिष्टमंडल निर्माण भवन पहुंचा। मुश्किल से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मिलने का वक्त मिला। लेकिन निर्धारित समय के कुछ समय पहले ही अप्वाइंटमेंट डेलीगेशन टाइमिंग को कैंसिल कर दिया गया। इस बदलाव से कोविड सहित अन्य वैश्विक महामारियों में महती भूमिका अदा करने वाले अधिकारियों का रक्तचाप (बीपी) और बढ़ने लगा है। हालांकि इसे सामान्य करने के लिए केबिनेट सेक्रेटरी स्तरीय अधिकारी ने सांत्वना दी। लेकिन अब दिक्कत यह है कि फ्रंट लाइन वर्कर्स, अधिकारी को जो जीनवनरक्षक सुविधाएं मिलनी चाहिए थी, उस पर अधिकारी ने तो चर्चा ही नहीं की। हां, इतना जरूर भरोसा दिलाया कि आपका ज्ञापन पत्र मंत्री जी को सौंप दिया जाएगा। इस बेरुखी के लिए शिष्टमंडल में शामिल लोगों ने कहा कि सर, यह तो जान का मामला है। जान है तो जहान होगा। जब हमें बेसिक जीवन रक्षक कवच की सुविधा ही नहीं मिलेगी तो हम कैसे मरीजों का जीवन बचाएंगे। ■ नारदजी

हमेशा से लोकतंत्र की सच्ची रक्षक रही कांग्रेस, आगे भी रहेगी : पूसाराम गोदारा

जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में टिब्बी में जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली आयोजित

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम): अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी से प्राप्त निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी हनुमानगढ़ के नेतृत्व में जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन शनिवार को टिब्बी स्थित अग्रवाल पैलेस में किया गया। डीसीसी अध्यक्ष सुरेन्द्र दादरी की अध्यक्षता में आयोजित रैली में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। संविधान बचाओ रैली की शुरुआत पहलगाम आतंकी हमले व ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवानों और निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट के मौन के साथ की गई। इसके बाद सेवादल की ओर से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गान किया गया।

रैली को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रतनगढ़ विधायक, पीसीसी प्रभारी महामंत्री पूसाराम गोदारा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार हमारे संवैधानिक मूल्यों पर आघात कर रही है, अपने खिलाफ उठने वाली विरोध की हर आवाज को कुचलने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान देश की आत्मा है, इसे कमजोर करने वाली हर ताकत का मिलकर मुकाबला करना होगा। कांग्रेस हमेशा से लोकतंत्र की सच्ची रक्षक रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर कांग्रेस की रीति-नीति से लोगों को अवगत कराएं। इसी के साथ देश के विकास में कांग्रेस पार्टी के योगदान के बारे में भी लोगों को जागरूक करें।

रैली के पीसीसी प्रभारी महेंद्र गहलोत ने केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार जांच एजेंसियों का लगातार दुरुपयोग कर लोगों को परेशान करने का काम कर रही है। जब से राज्य में भाजपा सरकार आई है, तबसे लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से बजट में लोक लुभावनी घोषणाएं तो कर दी गईं, लेकिन उन घोषणाओं के आधे से ज्यादा काम धरातल पर नहीं हुए हैं। ऐसे में इन घोषणा का कोई भी महत्व नहीं रह जाता है। डीसीसी अध्यक्ष सुरेन्द्र दादरी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान को कमजोर कर रही है। देश में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। पंचायतीराज और नगर निकाय के चुनाव पांच साल में होने चाहिए, लेकिन इस नियम की भी अवहेलना हो रही है। लोगों को तीन-तीन महीने से पेंशन नहीं मिल रही। लोग कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। ऐसे में जिस तरह से यह पर्ची की सरकार आई है, उसी तरह से यह पर्ची की सरकार वापस भी जाएगी।

विधायक अभिमन्यु पूनिया ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि भाजपा ने हमेशा लोगों को जाति-धर्म के नाम पर बांटने का काम किया है। बीजेपी राज में लोग बिजली और पानी की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह रैली जनहित के मुद्दों को उठाने और संविधान विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने का मंच है। उन्होंने बीकानेर में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा ओप्रेशन सिंदूर को लेकर दिए गए बयान पर बोलते हुए पीएम नरेंद्र मोदी को देश से माफी मांगने की बात कही।

विधायक अमित चाचाण ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए था कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चौधराहट करके सीजफायर क्यों करवाया। पीओके पर बयान देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि संविधान, अधिकारों व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की पुकार है। हम सबको संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करना होगा। विधायक विनोद गोठवाल व जिला प्रमुख कविता मेघवाल ने कहा कि आज देश में संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला हो रहा है। ऐसे वक्त में हर जागरूक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संविधान की रक्षा के लिए आगे आए। पूर्व सांसद भरतराम मेघवाल व पीसीसी सदस्य भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि आज भाजपा सरकार की ओर से जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस नेताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं व आम नागरिकों से कहा कि सभी की उपस्थिति, समर्थन ने यह सिद्ध कर दिया कि हनुमानगढ़ की जनता संविधान और लोकतंत्र के प्रति पूरी तरह जागरूक है। भादरा से पार्टी प्रत्याशी अजीत बेनीवाल ने कहा कि यह रैली केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का जनसंकल्प है। टिब्बी ब्लॉक अध्यक्ष हरनेक सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन गुरमीत सिंह चन्दड़ा व रामेश्वर चांवरिया ने किया। रैली में कांग्रेस कमेटी प्रदेश सचिव चन्द्रकला नायक, कृतिका चौधरी, डा. प्रियंका चाहर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, डीसीसी पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, अग्रिम संगठन, विभाग-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, पंचायतराज और स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। अंत में सेवादल की ओर से राष्ट्र गान जन, गण, मण गाया गया।

शनैश्चर (शनि) जयंती 26 मई को मनाई जायेगी

मरुधर विशेष

पंडित मनोज भारद्वाज

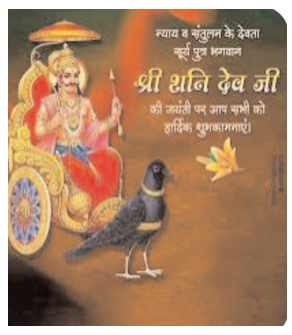

कठूमर। दिनेश लेखी कठूमर। प्रत्येक जेयष्ठ महीने की अमावस्या तिथि को शनि जयंती मनाई जाती है, शनि जयंती भगवान शनि के जन्मदिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन न्याय के देवता शनिदेव की आराधना और उपवास का अवसर होता है. इस दिन शनि मंदिर जाना, शनिदेव की पूजा करना और शनि मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है। इस बार शनि जयंती 26 मई 2025, सोमवार को रहेगी।

पं. मनोज भारद्वाज के अनुसार शनि जयंती की पूजा विधि: शनिदेव की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। शनिदेव को सरसों का तेल, काले तिल और काले वस्त्र अर्पित करें।

शनि मंत्र " शं शनैश्चराय नमः" का 108 बार जाप करें। शनिदेव की आरती करें। शनि मंदिर में दर्शन करें और दान करें। शनि जयंती के दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान करना भी शुभ माना जाता है।

शनि जयंती का महत्वः

शनि जयंती पर शनिदेव की पूजा करने से साढ़ेसाती या ढैय्या से राहत मिल सकती है।, शनिदेव की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता प्राप्त होती है।, शनि जयंती के दिन किए गए दान और उपवास से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और भक्तों को आशीर्वाद देते हैं।

शनि ग्रह के प्रति अनेक आख्यान ज्योतिष शास्त्रों में प्राप्त होते हैं। शनिदेव को सूर्यदेव का पुत्र एवं कर्मफल दाता माना जाता है। लेकिन साथ ही पितृ शत्रु भी, शनि ग्रह के सम्बन्ध में अनेक भ्रान्तियाँ और इस लिये उसे मारक, अशुभ और दुख कारक माना जाता है। पाश्चात्य ज्योतिषी भी उसे दुख देने वाला मानते हैं। लेकिन शनि उतना अशुभ और मारक नही है, जितना उसे माना जाता है। इसलिये वह शत्रु नही मित्र है। मोक्ष को देने वाला एक मात्र शनि ग्रह ही है। सत्य तो यह ही है कि शनि प्रकृति में संतुलन पैदा करता है, और हर प्राणी के साथ उचित न्याय करता है। जो लोग अनुचित विषमता और अस्वाभाविक समता को आश्रय देते हैं, शनि केवल उन्ही को दण्डित (प्रताडित) करते हैं। वैसे तो प्रत्येक व्यक्ति को शनि की साढ़ेसाती, महादशा, ढैया इत्यादि से गुजरना पड़ता है लेकिन जो व्यक्ति संतुलित, संयमित, पवित्र आचरण व आध्यात्मिक हैं उन्हें शनि की किसी भी प्रकार की दशा महादशा ज्यादा परेशान नहीं करती। यदि फिर भी किसी प्रारब्ध कर्म की वजह से आपको शनि की दशा महादशा में परेशानी उत्पन्न हो रही है, और आपकी जन्म कुंडली में शनि विपरीत स्थिति में हैं तो शनि ग्रह के शास्त्रीय उपाय करके आप अपने जीवन को परेशानी मुक्त कर सकते हैं और शनि ग्रह की कृपा प्राप्त कर सकते है। कुछ तथाकथित ज्योतिष्यों द्वारा शनि ग्रह के नाम पर टीवी चैनलों व यूट्यूब चैनलों पर भय फैलाया जाता है और फिर उनके द्वारा फालतू के टोने टोटके में उलझा कर समय व धन दोनों की बर्बादी की जाती है, और ऐसे फालतू के उपाय व टोने- टोटके से रिजल्ट भी प्रतिकूल आते हैं और दुखी व्यक्ति और ज्यादा दुखी हो जाता है। अतः ध्यान रहे उपाय के नाम पर फालतू के टोने टोटके नहीं करने चाहिए क्योंकि ऐसा करने से नकारात्मक परिणाम मिलने की ज्यादा संभावना बढ़ जाती है और शनि ग्रह संबंधित उपाय व दान इत्यादि भी सावधानी से करने चाहिए।

नगरपरिषद ने चलाया निराश्रित पशुओं को पकड़ने का अभियान, खुले में घूमते 113 पशु किए जब्त

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) नगरपरिषद हनुमानगढ़ की टीम द्वारा इस सप्ताह टाउन एवं जंक्शन क्षेत्र में निराश्रित एवं दुधारू पशुओं को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान उन पशुओं के विरुद्ध था जो आम सड़कों पर खुले में घूमते हुए आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे थे।

अभियान के तहत 23 व 24 मई को टाउन क्षेत्र के भट्ठा बस्ती, अम्बेडकर चौक, सिविल लाइन, चुना फाटक एवं गांधी नगर इलाकों से 80 पशुओं को तथा जंक्शन बाजार क्षेत्र से 33 पशुओं को पकड़ा गया। इन सभी को नंदी शाला, बाजार क्षेत्र गौशाला एवं कैनाल कॉलोनी गौशाला में सुरक्षित रूप से अवरोधित किया गया।

इस दौरान स्वच्छता निरीक्षक श्रीमती रमनदीप कौर द्वारा आमजन को समझाइश की गई कि वे अपने पशुओं को खुले में छोड़ने के बजाय बाड़े में ही रखें। अभियान की कार्रवाई हल्का इंचार्ज श्री विनोद कण्डा एवं श्री बलवंत कुमार के सहयोग से संपन्न की गई।

नगरपरिषद हनुमानगढ़ ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को सड़कों पर न छोड़ें। खुले में छोड़े गए पशुओं को जब्त कर लिया जाएगा एवं उनके विरुद्ध चालान की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जब्ती एवं देखरेख से संबंधित समस्त हर्जे-खर्चे की जिम्मेदारी पशुपालक की होगी।

अमानवीय तरीके से युवक के साथ मारपीट करने के मामले में ब्यावर जिला पुलिस ने की त्वरित कार्यवाही

अमानवीय तरीके से युवक के साथ मारपीट करने के दो आरोपियों को रायपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

मारपीट करने का मुख्य आरोपी तेजपाल सिंह है पुलिस थाना रायपुर का हिस्ट्रीशीटर

आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना रायपुर पर प्रकरण किया गया दर्ज।

घटना में प्रयुक्त वाहन में जेसीबी मशीन व फोरचूनर गाडी की जब्त

मरुधर विशेष

रायपुर मारवाड़। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक व्यक्ति को जेसीबी मशीन पर अमानवीय तरीके से लटकाकर मारपीट की जा रही थी। वीडियों के संबंध में जानकारी की गई तो उक्त घटना तेजपाल सिंह पुत्र चन्दन? सिंह जाति राजपुत निवासी गुड़ीया पुलिस थाना रायपुर द्वारा अपने डम्पर चालक मोहम्मद याकूब को डम्पर से डीजल व सीमेन्ट चोरी करने के आरोप लगाकर ग्राम गुडीया में स्थित अपनी सीमेन्ट फैक्ट्री में उक्त अमानवीय घटना कारित करना पाया गया। घटना क जानकारी मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला ब्यावर व वृताधिकारी वृत्त जैतारण के सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना रायपुर, सेन्दडा, बर व आनन्दपुर कालू की विभिन्न टीमों का गठन किया जाकर विभिन जगहों पर आरोपीयों के ठिकाने पर दबिश दी गई। जिस पर घटना में मुख्य आरोपीगण तेजपालसिंह पुत्र चन्दन? सिंह जाति राजपुत निवासी गुडिया पुलिस थाना रायपुर जिला ब्यावर व परमेश्वर सिंह पुत्र चन्द्र सिंह जाति रावत निवासी जेतपुरा पुलिस थाना बर जिला ब्यावर को दस्तयाब किया गया जिनसे गहन पूछताछ जारी है व अन्य आरोपीगणों की तलाश जारी है। तेजपालसिंह के विरुद्ध पुर्व में करीब एक दर्जन प्रकरण दर्ज है। थाना रायपुर का हिस्ट्रीशीटर तेजपालसिंह पुत्र चन्दन सिंह राजपुत को पुर्व में दिनांक 15.10.2024 को एक साल के लिए नैक चलनी हेतु पाबंद करवाया हुआ है। पीड़ित युवक याकूब मेहरात निवासी सेन्दडा द्वारा की अपहरण करने, फोन छीनने एवं अमानवीय तरीके से जान लेवा मारपीट करने संबंधी रिपोर्ट पेश करने पर आरोपीगण के विरूद्ध गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया परिवादी ने बताया कि तेजपाल व अन्य के मारने के डर से मैंने घटना के बारे मे आज तक किसी को नहीं बताया। आज मारपीट का वीडियों वायरल होने पर मेरे द्वारा मेरे परिजनों को पूरी बात बताई जिनके विश्वास दिलाने पर आज थाना पर रिपोर्ट दर्ज करवा रहा हूं। दोनो आरोपियों से पूछताछ की जा रही है शेष आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें दबिश दे रही है। घटना में प्रयुक्त फोरचूनर आरजे 22 यूए 9494 एवं जेसीबी मशीन को जब्त किया गया। नाम पता आरोपी तेजपाल सिंह पुत्र चंदन सिंह जाति राजपूत निवासी गुडिया थाना रायपुर जिला ब्यावर व परमेश्वर सिंह पुत्र श्री चन्दर सिंह जाति राजपुत उम्र 32 साल निवासी जैतपुरा पुलिस थाना सेन्दडा जिला ब्यावर। को गिरफ्तार किया गया है।

सिटी पब्लिक स्कूल के 21 छात्र-छात्राओं का सैनिक स्कूल में हुआ चयन

मरुधर विशेष

मैनपुरी (अजय सक्सैना)। जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाइल कायम करते हुए शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सिटी पब्लिक स्कूल के 21 बच्चों का सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में शत प्रतिशत सफलता हासिल की है इस ऐतिहासिक उपलब्ध में विद्यालय प्रांगण में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उत्कर्ष प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन पीयूष कुमार शुक्ला और से चयनित होने वाले छात्रों में दिव्या यादव, अक्षिता सिंह, शुभ सक्सैना, अभिनय चंद्र, प्रियांश, नव्य, रासी, युवराज, सम्यक मिश्रा, प्रिया यादव, अभिनव, लविश, वंदना, अभिमन्यु, निर्दोष, कृष्णा, लव प्रताप, रिशु यादव, श्रेयांश, सूर्यांश और कोमल चौहान शामिल है। यह सफलता केवल विद्यार्थियों की मेहनत और लगन का परिणाम ही नहीं है बल्कि स्कूली शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन और विद्यालय के अनुशासित वातावरण का साक्ष्य भी है वही इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अनुपम शुक्ला ने इन बच्चों के करनल सोफिया कुरैशी, व्योमिका सिंह जैसे सैन्य अफसर बनने की कामना की, उन्होंने कहां कि यह बच्चे विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएंगे। इस अवसर पर बीना यादव, शेखर यादव, सत्येंद्र, सुनील कुमार, दीपिका, जाह्नवी, गौरव, पूजा, कंचन, लवली, नीति, मोनिका, पिंकी, नीरज, गोपाल, निधि, कुशाग्र, प्रतिभा, साक्षी, निशि, साधना आदि शिक्षकगण मौजूद रहे,

मंदरपुरा में समीक्षा बैठक और कर्मशाना में पेयजल स्टोरेज डेम का निरीक्षण

पेयजल व्यवस्था सुधारने को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था और अन्य विकास कार्यों को लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्टर ने नोहर के ग्राम पंचायत मंदरपुरा में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों की ग्रीवेंस को भी सुना और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में नोहर के 11 ग्राम पंचायतों में पेयजल व्यवस्था पर चर्चा की गई।

जिन गांवों के टेल एंड पर पानी नहीं पहुँच रहा, उन गांवों में तत्काल पेयजल आपूर्ति एवं वैकल्पिक टैंकर द्वारा पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद कर्मशाना स्थित 1600 एमएल स्टोरेज डेम, 60 एमएलडी ट्रीटमेंट प्लांट, हैड़वर्क्स, पंपहाउस का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर कर्मशाना डेम के संबंधित चूरू एसई के उपस्थित नहीं रहने पर नोटिस जारी करने के आदेश दिए। इस दौरान नोहर एडीएम श्रीमती संजू पारीक, एसडीएम श्री पंकज गढ़वाल, पीएचईडी एसई श्री विजय वर्मा और डिस्कॉम एसई श्री रिछपाल चारण उपस्थित रहे।

लातेहार में मारे गए दो खूंखार नक्सली, एक पर 10 तो दूसरे पर था 5 लाख रुपये का इनाम

मरुधर विशेष

झारखंड के लातेहार जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सली संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद के दो खूंखार नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए नक्सलियों में से एक पर 10 लाख और दूसरे पर 5 लाख रुपये का इनाम था। एक और नक्सली घायल हुआ है जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अभी भी जारी है।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732